संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 299
पृष्ठ 8
शुक्रवार
19 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– प्राकृतिक सुंदरता और ...

विचार– ट्रम्प पर हमलाः राजनीति को हिंसा-घृणा...

खेल– एशिया कप २०२५ः पाकिस्तान के ...

कांवड़ यात्रा मार्ग पर अपना धर्म नाम छुपा कर धंधा करने वालों के खिलाफ योगी सरकार सख्त

लखनऊ, एजेंसी देश के अलग अलग हिस्सों में छोटे व्यापारियों खासकर खाने पीने का सामान बेचने वाले दुकानदारों के बीच एक अलग ही ट्रेंड चल रहा है कई दुकान अपना धर्म छुपा कर और दूसरे धर्म के देवी देवताओं और नाम की आड़ लेकर धंधा करने लगे हैं। कोई अपनी दुकान का नाम हिंदू देवी देवताओं के नाम पर रख लेता है तो कोई तिलक लगाकर और भगवा गमछा पहनकर यात्रियों को गुमराह करता है। हिंदू देवी देवताओं के नाम पर दुकान का नाम रखकर यहाँ नॉन वेज परोसा जाता है। इसको लेकर लंबे समय से विवाद भी चल रहा है, खासकर ऐसे दुकानदारों से उन लोगों को तब ज्यादा समस्या होती है जब वह अपने धार्मिक आयोजनों जैसे कावड़ यात्रा पर निकलते हैं, जिस दौरान भक्त अपने खान पान का विशेष ध्यान रखते हैं, लेकिन अक्सर उन्हें खाना खाने के बाद पता चलता है कि जिन देवी देवताओं के नाम पर दुकान चल रही थी, वह दूसरे धर्म या संप्रदाय का था। सावन का महीना शुरू होने वाला है। इसी दौरान शिव भक्त कावड़ लेकर प्रदेश की प्रसिद्ध नदियों का गंगाजल लेकर अपने क्षेत्रीय शिवालयों में चढ़ाने के लिए निकल पड़े हैं। कावड़ यात्रा के दौरान ऐसे दुकानदारों के खिलाफ योगी सरकार ने फरमान जारी कर कहां है, कोई भी दुकानदार अपना धर्म और नाम छुपा कर व्यापार नहीं करेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी जिला प्रशासन से इस बात का ध्यान रखने की बात कहते हुए कांवड़ यात्रा के रास्ते में पड़ने वाली दुकानों के मालिकों को निर्देश दिया है कि वे अपनी दुकान पर नाम का बोर्ड जरूर लगाएं। प्रशासन के इस निर्देश पर सियासी बवाल शुरू हो गया है। खैर, योगी सरकार के आदेशानुसार सभी दुकानदारों को अपनी दुकान पर नाम का बोर्ड लगाने को कहा गया है। उधर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों जैसे मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर आदि में कांवड़ यात्रा के रास्ते पर पड़ने वाले बहुत से मुस्लिम दुकानदारों ने बोर्ड लगाने शुरू कर दिए हैं। योगी सरकार इस फैसले पर कांग्रेस एवं सपा, बसपा की तो कोई प्रतिक्रिया नहीं है, लेकिन यूपी की सरहद से दूर बैठे असदुद्दीन ओवैसी से लेकर टीएमसी सांसद महुआ मोईत्रा तक ने योगी सरकार को घेरा है। वहीं, मुजफ्फरनगर के एसएसपी का कहना है कि यात्रा के दौरान किसी विवाद से बचने के लिए दुकानदारों से अपना नाम डिस्प्ले बोर्ड पर लिखे जाने से संबंधित फैसला लिया गया है। यूपी के मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा के रास्ते में तमाम मुस्लिमों की दुकानें भी पड़ती हैं, जो फल, चाय एवं अन्य खाद्य सामग्री बेचते हैं। पुलिस यात्रा के बंदोबस्त में लगी है, और उन्हीं में से एक इंतजाम ये भी है कि सभी मुस्लिम दुकानदारों को अपनी पहचान बताते हुए कारोबार करना होगा। बता दें कि हिंदू संगठन बार बार ये आरोप लगा रहे थे कि मुस्लिम दुकानदार अपनी पहचान छिपाकर कारोबार कर रहे हैं। उनके मुताबिक कांवड़ियों के लिए ये ज़रूरी है कि वे जहां से सामान खरीदें उसका धर्म भी जान लें। कैमरे के सामने तकरीबन सभी दुकानदारों ने प्रशासन के फैसले को सही बताया। उनका कहना है कि रोजी–रोटी देने वाला अल्लाह है, इसलिए इस फैसले से कोई फर्क नहीं पड़ता। बहरहाल, यह बात अल्लाह को मानने वाले समझ रहे है तो इसमें किसी को ऐतराज नहीं होगा।

यूपी में डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस पटरी से उतरी, ५ की मौत

● 3 एसी समेत 15 कोच पटरी से उतरे
● खिड़की के कांच तोड़कर कूदे यात्री, 25 घायल

गोंडा, एजेंसी। यूपी के गोंडा में ट्रेन हादसा हो गया। चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की 3 एसी समेत 15 बोगियां पटरी से उतर गईं। इनमें 3 पलटी खा गई। हादसे में 5 यात्रियों की मौत हो गई है। 25 यात्री घायल हैं। 2 यात्रियों के पैर कट गए हैं। ज्यादातर घायल यात्री एसी कोच के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद यात्री खिड़की के कांच तोड़कर बाहर कूदे। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अफसर मौके पर पहुंच गए। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हो गया है। एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंच गई है। ट्रेन ((15904) चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही थी। हादसा झिलाही रेलवे स्टेशन के बीच गोसाई डिहवा में हुआ है। अयोध्या से इसकी दूरी 30 किमी, जबकि लखनऊ से 130 किमी. है। गुरुवार को यह ट्रेन रात 11:39 बजे चंडीगढ़ से रवाना हुई। गुरुवार दोपहर झिलाही स्टेशन के पास पलट गई। ट्रेन में सवार एक यात्री ने कहा–गोंडा से 20 किमी दूर दोपहर करीब ढाई बजे हादसा हुआ। यहां से मनकापुर स्टेशन 5 किमी दूर है। हादसा इतना भीषण है कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से 100 मीटर दूर तक गिरे हैं। एसी कोच के डिब्बों की खिड़कियों के शीशे तोड़कर यात्री बाहर आए। हादसे के विचलित करने वाले फुटेज सामने आए हैं। इसमें दो यात्रियों के पैर कटे हुए नजर आ रहे हैं। जहां हादसा हुआ वहां से चारपाई से उठाकर घायल यात्रियों को ले जाया गया। एसडीआरएफ (स्टेट डिजास्टर रिलीफ फंड) की टीम रेस्क्यू के लिए मौके पर पहुंच गई है। टीम ने पहले अंदर फंसे वृद्ध यात्रियों को बाहर निकाला। ट्रेन पलट जाने के कारण यह बाहर नहीं आ पाए थे। इसके बाद सभी पलटे हुए कोच को एक–एक करके जांच कर रही है। टीम यह देख रही है कि अंदर कोई यात्री फंसा तो नहीं है।

कृति स्कैनिंग सेन्टर प्राइवेट लिमिटेड
Since 1994
NABH ACCREDITED

...diagnose before you treat, with our imaging solutions.
"We create a visual pathway to health with the latest imaging technologies."

सभी हाई-टेक अत्याधुनिक सम्पूर्ण डायग्नोस्टिक सुविधाएँ

सुविधाएँ
- अल्ट्रासाउण्ड
- एक्स. रे
- सी.टी. स्कैन
- एम.आर.आई.
- ओ.पी.जी.
- मैमोग्राफी
- फाइब्रोस्कैन
- ई.सी.जी.
- टी.एम.टी.
- गामा कैमरा
- डेक्सा स्कैन
- स्वास्थ्य जाँच
- सी.बी.सी.टी.
- पैथोलॉजी

59/18-E, Lowther Road, Prayagraj-211002 U.P. (India)
Contact: 8874208801, +91-532 2256805/2256266/2256384,
Website: www.kritiscanningcentre.com • e-mail: kritiscan@gmail.com

40 दिन में 400 पौधे लगाने का लक्ष्य

प्रयागराज की रंजीता गुप्ता कार में रखकर चलती हैं पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दे रहीं संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज की रहने वालीं शिक्षिका रंजीता गुप्ता ने पर्यावरण संरक्षण का बीड़ा उठाया है। इसी उद्देश्य से उन्होंने पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। वह 40 दिन में 400 पौधे लगाने का संकल्प ली हैं। एक दिन में 10 पौधा लगाती हैं। यही कारण है कि वह स्कूल जाते समय अपनी कार में प्रतिदिन 10 पौधे रख लेती हैं। प्रतिदिन प्रयागराज से प्रतापगढ़ स्थित बिहार के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में पढ़ाने के लिए जाती हैं। सड़क किनारे पौधा लगाने का प्रयास करती हैं, ताकि पर्यावरण संरक्षण भी हो सके और आने वाले दिनों में राहगीरों को भी राहत मिले।

पौधों का नामकरण, करती हैं निगरानी : शिक्षिका रंजीता गुप्ता सिर्फ पौधारोपण ही नहीं करतीं बल्कि उनका पौधों का नामकरण भी करती हैं। पीपल, नीम जैसे पौधों को लगाने के बाद उसका अलग– अलग नाम रखती हैं। स्कूल से घर लौटते वक्त रास्तों में रूककर उन पौधों की निगरानी भी करती हैं। यदि आसपास में कोई रह रहा होता है तो उसे भी इन पौधों की देखभाल के लिए प्रेरित करती हैं। वह बताती हैं कि लोग पेड़ तो बहुत तेजी से काट रहे हैं लेकिन उसके सापेक्ष पौधे नहीं लगा रहे हैं, यदि ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले दिनों में स्थिति भयावह होगी।

विशेष दिनों में जरूर लगाएं पौधा रू रंजीता : वह कहती हैं कि पौधे लगाने का कोई न कोई बहाना खोजना चाहिए। जैसे यदि हमारे लिए कोई विशेष दिन हो (बर्थडे, मैरिज एनिवर्सरी) तो उस दिन भी हम पौधे लगाकर उस दिन को यादगार भी बना सकते हैं। इनके इस कार्य में पति रामऔतार गुप्ता भी सहयोग करते हैं।

प्रयागराज में बिशप-जॉनसन की प्रिंसिपल को जान का खतरा

प्रयागराज प्रयागराज में बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल एंड कॉलेज में चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। 2 जुलाई को प्रिंसिपल पारूल सोलोमन को दूसरे पक्ष के लोगों ने जबरन कुर्सी से हटा दिया था। इसका वीडियो भी वायरल हुआ था। इसके बाद प्रिंसिपल की तहरीर पर कुछ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। इसी संबंध में आज बुधवार को पारूल सोलोमन ने प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत किया। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज करने के बाद भी अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई। उन्हें जान का खतरा है। धमकी दी जा रही है, अलग–अलग नंबरों से कॉल किया जा रहा है।

सीएम योगी से मिलकर लगाऊंगी न्याय की गुहार

प्रिंसिपल सोलोमन ने कहा कि 2 जुलाई को वह स्कूल के ऑफिस में बैठी हुई थीं। उसी समय कई लोग एक साथ आकर मेरे साथ बदमीजी और गाली–गलौज करने लगे। जबरन मुझे कुर्सी से उठाकर वहां से हटा दिया गया। पारूल सोलोमन ने कहा, मुझे और मेरे परिवार वालों को अलग–अलग नंबरों से कॉल किया जा रहा है और धमकी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वह मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से भी मुलाकात करेंगी और न्याय की गुहार लगाएंगी।

प्रयागराज में ट्रेन से कटकर बहू की मौत

सास के लिए खाने का सामान लेने गई बहू वापस नहीं लौटी, परिवार में मातम

मेजा, एजेंसी। प्रयागराज के मेजा रोड रेलवे स्टेशन पर सास के साथ ट्रेन पकड़ने गई बहू की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। सूचना पर पहुंची मेजा पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार मांडा थाना क्षेत्र के माड़ा खास निवासी राजकुमारी देवी अपनी बहू चंद्रावती (38) जो अपने मायके लालगंज थाना क्षेत्र के मैना गांव रहती थी। बहू को अपने बेटे धर्मेंद्र के पास गाजियाबाद छोड़ने के लिए गुरुवार सुबह मेजारोड रेलवे स्टेशन पहुंची थी।

बहू सास के लिए कुछ खाने का सामान लेने जा रही थी

जनरल टिकट लेने के बाद सास को प्लेटफार्म पर बैठाकर बहू नाश्ता लेने के लिए बाहर जा रही थी। इसी दौरान ट्रेन से अंजान महिला प्लेटफार्म नंबर 4 के बगल बने डीएफसी रेलवे ट्रैक को पार कर रही थी। तभी ट्रेन ने जोरदार टक्कर मार दिया, जिसमें महिला के परखच्चे उड़ गए और उसकी मौत हो गई। प्लेटफार्म पर बहू का इंतजार कर रही सास को जब बहू के ट्रेन से कटने की जानकारी हुई तो वह स्तब्ध हो गई और दहाड़े मारकर रोने लगी। मामले की जानकारी पर अन्य परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। मृत महिला अपने पीछे बेटा नितेश और बेटी कल्पना को छोड़ गई। मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी जीआरपी मांडा को दिया। लेकिन जीआरपी ने पल्ला झाड़ने हुए स्थानीय पुलिस का हवाला दिया। सूचना पर मेजारोड पुलिस चौकी के उप निरीक्षक लल्लन वर्मा हेड कांस्टेबल जमील अहमद, कांस्टेबल विकास कुमार, कांस्टेबल अमित कुमार घटनास्थल पर पहुंच विधिक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भिजवा दिया।

30 साल की सेवा के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति कर्मचारी का अधिकार, सरकार की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि 30 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद एक सरकारी कर्मचारी को केंद्रीय सिविल सेवा नियम–1972 के अंतर्गत स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने का अधिकार है, बशर्ते वो निलंबित न हुआ हो। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति विकास खंडपीठ ने बस्ती जिले के डाकघर अधीक्षक डॉ. शिव पूजन आर सिंह की याचिका पर सुनाया हैं।

मोहर्रम पर बवाल के दूसरे दिन फिर हिंसा, समुदाय विशेष के घर पर ग्रामीणों ने बोला धावा, बाइक फूंकी

प्रयागराज। लालापुर थाना क्षेत्र के अमिलिया तरहार गांव में बुधवार को मोहर्रम पर ताजिया के रास्ते को लेकर हुआ बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। जुलूस में शामिल शरारती तत्वों के द्वारा अधिवक्ता के घर में घुसकर मारपीट और लूटपाट करने के दूसरे दिन बदला लेने की नीयत से ग्रामीणों ने एक समुदाय विशेष के घर पर धावा बोल दिया। घर में तोड़फोड़ करने के बाद दरवाजे पर खड़ी एक बाइक में आग लगा दी गई। घटना की जानकारी होते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। भारी फोर्स लेकर अधिकारी गांव में पहुंच गए हैं। फिलहाल गांव में पीएसी को तैनात कर दिया गया है। एसीपी बारा संतलाल सरोज, थानाध्यक्ष लालापुर अजय मिश्र मौके पर दल बल के साथ मौजूद हैं।

यह था पूरा मामला

लालापुर थाना क्षेत्र के अमिलिया तरहार गांव में बुधवार शाम ताजिया ले जाते समय हुए दो पक्षों में हुए विवाद के बाद जमकर बवाल हो गया था। जुलूस में शामिल कुछ शरारती तत्वों ने घर में घुसकर अधिवक्ता की पुत्री व पुत्र समेत अधेड़ पर लाठी–डंडों, तलवार, कटवासा व अवैध असलहों से हमला बोल दिया। बीच बचाव पर दरोगा को पीट दिया। घटना में अवधेश का सिर फटा है जबकि उनके बेटे–बेटी को भी चोटें आईं। आरोप है कि दीवार पर खड़े होने व पीपल के पेड़ को काटने के विरोध पर घटना की गई। छह नामजद व 10–12 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। अमिलिया तरहार गांव के इमामबाड़े से बुधवार को ताजियादार ताजिया लेकर गांव में निकल रहे थे। जुलूस गांव के अवधेश द्विवेदी के घर के पास पहुंचा तो भीड़ में शामिल कुछ शरारती तत्व उनकी दीवार पर चढ़ गए। आरोप है कि उपद्रवियों ने चहारदीवारी तोड़ने की कोशिश की और बिजली सप्लाई का तार भी तोड़ दिया। अवधेश के बेटे शिवम ने विरोध किया तो उस पर हमला बोल दिया। जुलूस के साथ चल रहे एसआई बलिराम और सिपाहियों ने बीचबचाव किया तो उनसे भी अभद्रता और हाथापाई शुरू कर दी। शोरगुल सुनकर अवधेश घर के बाहर निकलकर बेटे को बचाने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। पिता–पुत्र भागे तो हमलावर पीछे–पीछे घर में घुस आए और पंखे की रॉड उठाकर हमला कर दिया। अधिवक्ता की पुत्री अनुज्ञा पिता व भाई आयुष व अनुज को बचाने लगी तो उससे भी मारपीट व बदसलूकी की। हंगामा होता देख आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर बीचबचाव किया तो उन्हें भी पीटा गया। जानकारी पर गांव के लोग जुट गए तो हमलावर भाग निकले। सूचना पर बड़ी संख्या में वहां लोग जुट गए। डीसीपी यमुनानगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, एसडीएम जगजीत कौर, एसीपी बारा संत लाल सरोज भी आसपास के थानों की फोर्स लेकर आ गए और पीड़ित परिवार से पूछताछ की। तनाव को देखते हुए पीएसी भी तैनात कर दी गई है।

तीन लाख के गहने लूटने का भी आरोप

अवधेश की ओर से दी गई तहरीर में हमले के साथ–साथ तीन लाख के गहने लूटने का भी आरोप लगाया गया है। बताया कि दोपहर 3रू30 बजे गांव के मोनू अंसारी, अन्ना, इमरान, अजमेरी का लड़का, मिराज, सरताज समेत छह लोग व 10–12 अज्ञात लाठी–डंडा, कटवासा व अवैध असलहे लेकर ताजिया जुलूस निकाल रहे थे। आरोप लगाया कि घर के पास लगे पीपल के पेड़ को काटने लगे। मना करने पर गालीगलौज करते हुए दीवार फांदते हुए घर में कूद गए और उन्हें, उनकी बेटी व दो बेटों को मारने लगे। तलवार व कट्टे की बट से वार किया जिससे सभी लहूलुहान हो गए। साथ ही कमरे में बैग में रखे तीन लाख के गहने लूट ले गए। जाते–जाते धमकी भी दी।

निर्वाणी अनी अखाड़ा श्रीमहंत के पद का विवाद खत्म

प्रयागराज में गले लगे महंत धर्मदास और महंत मुरली दास, अयोध्या में हर्ष की लहर

अयोध्या/प्रयागराज। अयोध्या में निर्वाणी अनी अखाड़ा श्रीमहंत के पद को लेकर दो साल से चल रहा विवाद समाप्त हो गया है। इस पद पर महंत धर्मदास का कार्यकाल पूरा होने के बाद अखाड़ा ने साल 2025 प्रयागराज कुंभ मेला सहित आगामी 12 साल से मुरली दास को इस पद के लिए चुन कर अपना तिलक कर दिया था। इसके बाद भी महंत धर्मदास इस पद से हटने को लेकर तैयार नहीं थे। उन्होंने 17 जुलाई को प्रयागराज में महंत मुरली दास का समर्थन कर विवाद खत्म कर दिया। प्रयागराज में महंत धर्मदास और महंत मुरली दास गले मिले। इसके बाद यह विवाद खत्म हो गया। अब महाकुंभ की पहली बैठक के लिए 13 अखाड़ों के महंत आज यानी गुरुवार को प्रयागराज में बैठक करेंगे।

हनुमानगढ़ी में उत्सव का माहौल

अब हनुमानगढ़ी की हरिद्वारी पट्टी के महंत मुरली दास निर्वाणी अनी अखाड़ा श्रीमहंत के पद पर पूरी तरह काबिज हो गए हैं। उनके साथ अनी अखाड़ा के दो महामंत्री सत्यदेव दास सागरिया पट्टी और नंदराम दास उज्जैनियां पट्टी काम करेंगे। महंत मुरली दास और महंत धर्मदास के विवाद को समाप्त होने से श्रीपंच रामानंदीय निर्वाणी अनी अखाड़ा के मुख्य केंद्र हनुमानगढ़ी में उत्सव का माहौल है।

बैठक की सफलता के बाद 18 को देर शाम तक अयोध्या वापस आ रहे हैं महंत

अखिल भारतीय श्रीपंच रामानंदीय निर्वाणी अखाड़ा हनुमानगढ़ी अयोध्या के सैकड़ों साधु– संत आगामी कुंभ मेले की बैठक के लिए 17 जुलाई को रवाना हुए। 18 जुलाई को प्रयागराज की बैठक में शामिल होने के लिए निर्वाणी अनी के श्रीमहंत मुरली दास महाराज और निर्वाणी अनी के महासचिव सत्यदेव दास, महासचिव नंदराम दास के साथ निर्वाणी अखाड़ा हनुमानगढ़ी के सभी वरिष्ठ संत–महंत हनुमानगढ़ी से प्रयागराज के लिए निकले। यह सभी बैठक की सफलता के बाद 18 को देर शाम तक अयोध्या वापस आएंगे। अयोध्या से जाने वाले दल के प्रमुख संतों में अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रहे महंत ज्ञानदास के शिष्य हेमंत दास, हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास के उत्तराधिकारी डाक्टर महेश दास, अभिषेक दास, राजेश पहलवान, रामकृष्ण दास, अभिषेक दास, पहलवान केशव दास आदि कई वाहनों से रवाना हुए। इसके पहले महंतों ने हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजन–अर्चन कर महंत ज्ञानदास महाराज का आशीर्वाद लिया।

कुंभ मेला की सभी 13 अखाड़ों की पहली बैठक 18 जुलाई को हुई

इस अवसर पर अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे महंत ज्ञानदास के उत्तराधिकारी महंत संजय दास ने कहा– प्रयागराज कुंभ मेला 2025 की सभी 13 अखाड़ों की पहली बैठक 18 जुलाई को होगी। कुंभ मेला के सकुशल सम्पन्न में होने में अखाड़ा परिषद की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। निर्वाणी अखाड़ा ने श्रीमहंत पद के लिए मुरली दास और महामंत्री के लिए सत्यदेव दास और नंदराम को भेजा है। जो निर्वाणी अखाड़े की ओर से अखाड़ा परिषद में प्रतिनिधित्व करेंगे। महंत संजय दास ने बताया कि निर्वाणी अखाड़ा के श्रीमहंत पद पर अब तक महंत धर्मदास और महासचिव महंत गौरीशंकर दास थे। इनका कार्यकाल पूरा हो चुका है।

नए आयोग को भी नई गाइडलाइन के तहत करानी होंगी परीक्षाएं, दो प्रिंटिंग प्रेसों में छपवाने होंगे पर्चे

प्रयागराज। भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता के लिए शासन की ओर से जारी नई गाइडलाइन के अनुरूप उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को भी भर्ती परीक्षाएं करानी होंगी। इसके लिए आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी वजह से आयोग की लंबित भर्तियों की परीक्षा तिथि घोषित होने में देर हो रही है। केंद्र निर्धारण से लेकर पेपर छपवाए जाने तक नए आयोग को शासन की उसी गाइडलाइन के अनुरूप आगे बढ़ना होगा, जिसके तहत उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं अन्य भर्ती संस्थाओं की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। शिक्षा सेवा चयन आयोग की दो बड़ी भर्तियां दो साल से लंबित हैं। अशासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों और अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटीध्पीजीटी के 4163 पदों पर भर्तियों के लिए अगस्त–2022 में आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अभ्यर्थियों को इन दोनों भर्ती परीक्षाओं की तिथियां घोषित होने का इंतजार है। शासन की गाइडलाइन में केंद्र निर्धारण को लेकर स्पष्ट दिशा–निर्देश दिए गए हैं कि पांच लाख से अधिक अभ्यर्थी होने पर कई पालियों में परीक्षा कराई जाएगी। टीजीटी/पीजीटी परीक्षा के लिए 13 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। ऐसे में नए आयोग को टीजीटीध्पीजीटी परीक्षा कई पालियों में करानी होगी और इसके लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता पड़ेगी। वहीं, असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के लिए 1.14 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इस परीक्षा के लिए केंद्र और पाली निर्धारण को लेकर ज्यादा मशक्कत नहीं करनी होगी, लेकिन गाइडलाइन में शामिल अन्य प्रावधानों का पालन तो करना ही होगा। जैसे प्रश्न पत्र दो प्रिंटिंग प्रेसों में अलग–अलग छपवाए जाएंगे। इनमें से कौन सा प्रश्न पत्र वितरित किया जाएगा, यह परीक्षा शुरू होने से पांच घंटे पहले तय होगा। प्रश्न पत्रों को अतिरिक्त सुरक्षा के लिए लोहे के बक्से में रखा जाएगा। नए आयोग को सभी भर्ती परीक्षाओं की सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लाइव स्ट्रीमिंग करानी होगी और इसके लिए एक कंट्रोल रूम भी स्थापित करना होगा।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **एकता सोनी** पत्नी रामनारायन सोनी, मेरे भवन सं0-डी-II-28, सेक्टर द्वारिका-II, कालिन्दीपुरम आवास योजना, कसारी मसारी, प्रयागराज क्षेत्रफल 120 व0 मी0 का **मूल आवंटन पत्र दि0-06.08.1992 व कब्जा प्रमाण पत्र दि0-07.06.1995 वास्तव में कहीं खो गया है** और बहुत खोजने के बाद भी अभी तक नहीं मिला जिसकी प्राथमिक रिपोर्ट भी थाने में की गयी है।

एकता सोनी पत्नी रामनारायन सोनी
नि0-ई.डब्लू.एस. 142, कालिन्दीपुरम, राजरूपपुर, प्रयागराज।

महाकुंभ पर साधु-संतों और अफसरों के बीच बैठक

प्रयागराज पहुंचे देशभर के सभी 13 अखाड़ों के पदाधिकारी, कई मुद्दों पर चर्चा

प्रयागराज। महाकुंभ–2025 की तैयारियों के संबंध में आज मेला प्रशासन और सभी 13 अखाड़ों के पदाधिकारियों के बीच बैठक चल रही है। मंडलायुक्त कार्यालय के गांधी सभागार में होने वाली इस बैठक में देशभर के अलग–अलग शहरों से अखाड़ों के पदाधिकारी शामिल हुए हैं। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, महाकुंभ मेला अधिकारी विजय किरन आनंद समेत जिले के अन्य

सभी आला अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी इसमें शामिल हुए हैं। उप मेलाधिकारी अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया– अखाड़ों के साथ यह दूसरी बैठक है। अखाड़ों के साथ पहली बैठक पिछले वर्ष 8 जुलाई को हुई थी। आज बैठक में शामिल होने के लिए एक दिन पहले यानी बुधवार को ही अखाड़ों से जुड़े पदाधिकारी प्रयागराज पहुंच गए थे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि ने जूना अखाड़ा कैंपस में ही सभी के साथ बैठक किए थे।

अफसर बताएंगे मेला की रूपरेखा, लेंगे सुझाव

इस बैठक में मेला कराने वाले अधिकारी प्वाइंट टू प्वाइंट पूरी रूपरेखा अखाड़ों के पदाधिकारियों के समक्ष रखेंगे। इसके साथ ही मेला को सकुशल संपन्न कराने के संबंध में सुझाव भी लेंगे।

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) गर्वी इलाहाबाद

उत्तराधिकार वाद संख्या - 188 **सन 2024**

सौरभ सिंह यादव उम्र 21 वर्ष पुत्र स्व. संजय सिंह यादव निवासी 146 ई/1जे क्न्धईपुर धूमनगंज परगना व तहसील सदर जनपद प्रयागराज। ...वादी

बनाम

1. **श्रीमती रीता सिंह** उम्र 48 वर्ष पत्नी स्व. संजय सिंह यादव ,2. **ऋषभ सिंह यादव** उम्र 17 वर्ष पुत्र स्व. संजय सिंह यादव संरक्षिका माता हकीकी श्रीमती रीता सिंह, 3. **श्रीमती रंजना यादव** उम्र 29 वर्ष पत्नी रामकृष्ण यादव सभी निवासीगण 146 ई/1जे क्न्धईपुर धूमनगंज परगना व तहसील सदर जनपद प्रयागराज। ...प्रतिवादीगण

प्रार्थनापत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 08 के 22 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न** में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

ता.पेशी 22/08/2024

न्यायाधीश

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 4820242025 दिनांक: 15.07.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 12.08.2024 को 13:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.: 1	निविदा नं.: 126	जेम बिड नं0: GEM/2024/B/5130642 Dated 15.07.2024

कार्य का विवरण: वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के अर्न्तगत सहायक मण्डल इंजीनियर नैनी के अधीन वरिष्ठ खण्ड इंजीनियर मानिकपुर, शंकरगढ़ एवं वरिष्ठ खण्ड इंजीनियर नैनी-2 के लिए 9 टन क्षमता वाले 3 नं0 ट्रक वाहन की आपूर्ति का कार्य।

अनुमानित मूल्य (रु.): ₹ 52,55,568/-, **बयाने की रकम (रु):** ₹ 1,05,120/-, **कार्य समापन की अवधि** : 02 साल, **निविदा खुलने की तिथि** : 12.08.2024, **सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार:** सप्लाई आफ रोड वेहिकल्स आन हायरिंग बेसिस टू सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेन्ट सेमी गवर्नमेन्ट बाडीज आफ सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेन्ट एवं पब्लिक सेक्टर अन्डर टेकिंग आफ सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेन्ट।

क्र.सं.: 2	निविदा नं.: 127	जेम बिड नं0: GEM/2024/B/5138346 Dated 15.07.2024

कार्य का विवरण: वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के अर्न्तगत के नैनी-मिर्जापुर-चुनार सेक्सन में कॉलोनियों और अन्य सेवा भवनों में रखरखाव के लिए एक वर्ष के लिए वार्षिक सेवाएं प्रदान करना।

अनुमानित मूल्य (रु.): ₹ 87,78,798.80, **बयाने की रकम (रु):** ₹ 1,75,580/-, **कार्य समापन की अवधि** : 01 साल, **निविदा खुलने की तिथि** : 12.08.2024, **सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार:** सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।

नोट:- (1) आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि को 13:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.gem.gov.in** पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। **1242/24 (A)**

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 05671/05672 गुवाहाटी - आनन्द विहार टर्मिनल साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 05671 गुवाहाटी- आनन्द विहार टर्मि.			गाड़ी संख्या - 05672 आनन्द विहार टर्मि. - गुवाहाटी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	15:00	गुवाहाटी	14:15	-----
20:25	20:35	प्रयागराज जं.	07:45	07:55
23:15	23:20	गोविन्दपुरी	05:20	05:25
08:50	-----	आनन्द विहार टर्मि.	-----	23:45

गुवाहाटी से गाड़ी संख्या 05671, प्रत्येक बुधवार, दिनांक : 24.07.24 से 14.08.24 तक, **आनन्द विहार टर्मि. से** गाड़ी संख्या 05672, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक : 26.07.24 से 16.08.24 तक

गाड़ी संरचना : एसएलआर : 02, सामान्य श्रेणी : 10, स्लीपर श्रेणी : 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 01

नोट: ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1248/24(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

संक्षिप्त

देश में जीवन बीमा की पहुंच महज 3.2 प्रतिशत लोगों तक, ग्रामीण इलाकों में दायरा बढ़ाने से जुड़े कदम उठाने जरूरी

नई दिल्ली। जीवन बीमा व्यक्तियों और उनके परिवारों को विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में वर्तमान में जीवन बीमा से आच्छादित लोगों का प्रतिशत वर्तमान में 3.2: है। नियामक ने अतीत में भी जीवन बीमा सुरक्षा के मामले में 70–80: की कमी की बात कही है। यह वास्तविक कवरेज और व्यक्तियों और उनके आश्रितों को पर्याप्त वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक राशि के बीच बड़े अंतर को इंगित करता है। इस बार के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से देश के जीवन बीमा क्षेत्र को काफी उम्मीदें है। श्रीराम लाइफ इंश्योरेंश कंपनी के एमडी और सीईओ कैस्परस क्रॉमहॉट के अनुसार भारत में जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जीवन बीमा से वंचित है। विश्व बैंक संग्रह संकेतकों के अनुसार देश की लगभग 65: आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। ये ग्रामीण क्षेत्र आय के स्तर, कमाई के पैटर्न, सेवाओं के वितरण और अपनी जरूरतों के मामले में अपने शहरी समकक्षों से अलग हैं। यह भी देखा गया है कि अधिकांश वाणिज्यिक वित्तीय संस्थानों का बड़ा ध्यान शहरी क्षेत्र की ओर है, क्योंकि यहां रहने वाले जागरूकता के मामले में आगे हैं, उच्च और अधिक स्थिर आय के साथ ही उन तक पहुंच भी आसानी से सुगम है। दूसरी ओर ग्रामीण आबादी के परिवारों में यह देखा गया है कि कम आय के स्तर के कारण परिवार के लिए रोटी कमाने वाले को खो देने की स्थिति में उन्हें वित्तीय तबाही का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उनकी स्थिति बहुत कमजोर हो जाती है। इस आबादी को जीवन बीमा सुरक्षा के तहत लाना काफी महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस सेगमेंट में आवश्यक समाधान और दृष्टिकोण शहरी क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक तरीकों से भिन्न हैं। क्रॉमहॉट के अनुसार कंपनियों को शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बीमा से जुड़े प्रमुख कारकों को समझकर दोनों क्षेत्रों में प्रमुख जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक समाधान संचालित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। बीते कुछ वर्षों में इस दिशा में काफी सुधार किए गए हैं। आय का स्तर जीवन बीमा के लिहाज से एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। ग्रामीण बाजार के विकास के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक डिस्पोजेबल आय में लगातार वृद्धि है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की एक रिपोर्ट में पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति व्यय 2011–12 से 2017–18 तक 17: बढ़ा है। हालांकि महामारी के वर्षों के दौरान इसमें कमी आई, लेकिन पिछले वर्ष कुछ वर्षों में इसमें रिकवरी हुई है। कुछ रिपोर्ट्स में सुझाव दिया है कि शहरी क्षेत्र में भी मध्यम वर्ग का काफी ववस्तार हुआ है और हाल ही में आईएमए की रिपोर्ट के अनुसार उच्च आय वाले उपभोग वर्ग में 120 मिलियन से अधिक परिवार शामिल हैं।

सेंसेक्स 750 अंकों की उछाल के साथ पहली बार 81000 के पार, निफ्टी भी 24800 से आगे निकला

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार का प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान शुरुआती कमजोरी से ऊबरकर 750 अंकों तक चढ़ा और पहली बार 81000 का स्तर पार कर गया। इस दौरान निफ्टी भी 24800 के ऊपर कारोबार करता दिखा। गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स अपने नए ऑल टाइम हाई 81485.9 पर पहुंचा। दूसरी ओर, निफ्टी 24,829.35 के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा। इससे पहले शुरुआती सत्र में वैश्विक बाजारों में सुस्ती के बाद घरेलू शेयर बाजार भी गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। इस दौरान बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली दिखी। सुबह 9 बजकर 18 मिनट पर सेंसेक्स 176 अंक या 0.22प्रतिशत फिसलकर 80,540 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, निफ्टी 37 अंक या 0.15प्रतिशत टूटकर 24,576 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के शेयरों में एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। वहीं एक्सिस बैंक, इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक और भारती एयरटेल के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। 30 जून को समाप्त तिमाही के परिणामों में कमजोर प्रदर्शन के बाद एशियन पेंट्स के शेयरों में 3प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एलटीआई माइंडट्री के शेयर पहली तिमाही के मजबूत आंकड़ों के बाद 3.3प्रतिशत तक मजबूत हुए। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मीडिया जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज, हाथवे और नजारा टेक्नोलॉजीज के शेयरों में कमजोरी के कारण 2.6प्रतिशत तक टूट गया। निफ्टी बैंक, ऑटो, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों में भी गिरावट दिखी।

ग्रामीण बैंकों के डिजिटलीकरण के लिए नाबार्ड व पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता, मिलेगी ये सुविधा

नई दिल्ली। वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और ऑनलाइन पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। यह एमओयू जनसुरक्षा पोर्टल के माध्यम से एक मंच से जुड़े सभी 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की जन सुरक्षा योजनाओं के तहत नामांकन और दावा निपटान की प्रक्रिया को सुचारू बनाएगा। नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के वी और उप प्रबंध निदेशक डॉ. अजय कुमार सूद सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना की शुरुआत की। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय अंतर को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके जरिए जन सुरक्षा योजनाओं के निर्बाध नामांकन और कुशल निपटान के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को डिजिटल समाधान मुहैया कराया जाएगा जिससे वे सशक्त बनेंगे।

एशिया कप 2025: पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के साथ भारतीय महिला टीम करेगी अपने अभियान की शुरुआत, जानें भारत का पूरा शेड्यूल

पाकिस्तान के खिलाफ शुक्रवार से एशिया कप 2024 में भारतीय महिला टीम अपने अभियान का आगाज करेगी। वहीं अक्टूबर में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए इस टूर्नामेंट को काफी अहम माना जा रहा है। हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम का एशिया कप में दबदबा रहा है।

भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ शुक्रवार से एशिया कप 2024 में अपने अभियान का आगाज करेगी। वहीं अक्टूबर में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए इस टूर्नामेंट को काफी अहम माना जा रहा है। हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम का एशिया कप में दबदबा रहा है जिसने चार में से तीन टी20 खिताब और चारों बार 50 ओवरों के फॉर्मेट में जीत दर्ज की है। महिला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भारत ने 20 में से 17 मैच जीते हैं। उसमें 2022 में फाइनल में बांग्लादेश को हराया था। पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में 11 जीत दर्ज की है। हरमनप्रीत कौर का लक्ष्य इस सिलसिले को आगे बढ़ाना होगा। इस महीने कर शुरुआत में भारत ने दक्षिण अफ्रीका से 1–1 से ड्रॉ खेला, जबकि तीन टी20 मैचों में से दूसरा बारिश में धुल गया। पाकिस्तान का मनोबल गिरा हुआ होगा जिसे मई में इंग्लैंड ने 3–0 से हराया था। भारत के लिए सबसे अच्छी बात स्मृति मंधाना का शानदार फॉर्म है और हाल ही में गेंदबाजों ने एक ईकाई के रूप में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में आठ विकेट लिए जबकि स्पिनर राधा यादव भी कामयाब रही है। स्पिनरों में दीप्ति शर्मा, सजीवन साजना और श्रेयांका पाटिल शामिल है। पाकिस्तान ने एशिया कप के लिए निदा दर को कप्तान बनाए रखा है लेकिन टीम में काफी बदलाव किए गए हैं। ईरम जावेद, ओमैमा सोहेल और सैयदा आरूब शाह को इस साल पहली बार टीम में जगह मिली है जबकि तस्मिया रूबाब पर्दापण करेंगी। ग्रुप ए में नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात का भी सामना पहले दिन होगा। दोनों ग्रुप से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी। नेपाल 2016 के बाद पहली बार टूर्नामेंट में खेल रहा है जबकि यूएई का ये लगातार दूसरा टूर्नामेंट है।

महिला एशिया कप में भारतीय टीम का शेड्यूल

19 जुलाई– IND vs PAK– शाम 7 बजे, रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम श्रीलंका

21 जुलाई– IND vs UAE– दोपहर 2 बजे, रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम श्रीलंका

23 जुलाई– IND vs NEP– शाम 7 बजे, रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम

भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोषणा, उमा छेत्री, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयांका पाटिल, संजीवन साजना।

शुभमन गिल के साथ डेटिंग की अफवाहों पर बोलीं रिद्धिमा पंडित, कहा- वह बहुत क्यूट...

पिछले कुछ समय से भारतीय युवा क्रिकेटर शुभमन गिल का टीवी एक्ट्रेस रिद्धिमा पंडित के साथ अफेयर की खबरें उड़ रही हैं। वहीं लगातार चल रही अफवाहों के बीच रिद्धिमा पंडित ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया है कि इस तरह के दावों की सच्चाई क्या। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और गिल एक दूसरे को डेट कर रहे हैं, तो उन्होंने भारतीय क्रिकेट को क्यूट तक बताया। बता दें कि रिद्धिमा और गिल की उम्र में 9 साल का फर्क है। फिल्मीज्ञान ने रिद्धिमा पंडित के इंटरव्यू की छोटी सी क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इसमें रिद्धिमा से शुभमन गिल के साथ डेटिंग को लेकर सवाल होता है। टीवी अदाकारा इस खबर को गलत बताती हैं। वह गिल को क्यूट तो बताती हैं साथ में ये भी कह देती हैं कि दोनों एक दूसरे को जानते तक नहीं हैं। दोनों के बीच कुछ नहीं चल रहा। रिद्धिमा पंडित ने शुभमन गिल को डेट करने को लेकर कहा कि, नहीं पहले बात कि मैं उन्हें जानती भी नहीं हूं। मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, लेकिन मैं उन्हें नहीं जानता। जब मैं कभी उनसे मिलूंगी, मुझे पूरा यकीन है कि हम लोग इस बारे में हंसेंगे। मुझे लगता है कि वह बहुत क्यूट हैं, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं चल रहा।

रिद्धिमा पंडित और शुभमन गिल की शादी की अफवाहें भी उड़ीं

मई 2024 में रिद्धिमा ने शुभमन के सात अपनी शादी की अफवाहों पर रिएक्ट किया था। उनकी प्रतिक्रिया उन रिपोर्टों के बाद आई थी, जिसमें दावा किया गया था कि बहू हमारी रजनीकांत की एक्टर दिसंबर 2024 में क्रिकेटर के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगी। जैसे ही शादी की अटकलें फैलीं, रिद्धिमा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट करके इसका खंडन किया। वहीं रिद्धिमा ने कहा था कि, सुबह उठते ही पत्रकारों के बहुत सारे फोन आए जो मेरी शादी के बारे में पूछ रहे थे, लेकिन कैसी शादी? मैं शादी नहीं कर रही हूं और अगर मेरे जीवन में ऐसा कुछ अहम हो रहा है तो मैं खुद आकर इसकी घोषणा करूंगी। इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है।

बार्कले के बाद आईसीसी अध्यक्ष का पद संभालेंगे जय शाह? वार्षिक सम्मेलन पर रहेंगी नजरें, सामने आई जानकारी

कोलंबो। आईसीसी का चार दिवसीय वार्षिक सम्मेलन शुक्रवार से कोलंबो में होना है। इस दौरान कई अहम विषयों पर चर्चा होनी है, लेकिन एक बात ऐसी है जिस पर सभी की निगाहें चल रही हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह को लेकर इस बैठक में गंभीर चर्चा हो सकती है। इस बात की चर्चा तेज है कि जय शाह न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले के बाद क्रिकेट की वैश्विक संस्था का अध्यक्ष पद संभाल सकते हैं। चीजों की जानकारी रखने वाले आईसीसी के एक सूत्र ने कहा कि आईसीसी में सभी की मुख्य रूप से दिलचस्पी इसमें है कि शाह वैश्विक संस्था की बागडोर कब संभालेंगे। माना जा रहा है कि अगर बार्कले का मौजूदा कार्यकाल तीन साल का होता है तो शाह बीसीसीआई सचिव के रूप में छह साल पूरे कर सकते हैं और फिर 2025 में तीन साल के लिए आईसीसी चेयरमैन बन सकते हैं, जबकि उस दौरान बीसीसीआई में उनका ब्रेक शुरू होगा। फिर 2028 में वह बीसीसीआई में वापसी करके बोर्ड अध्यक्ष बन सकते हैं। आईसीसी सूत्र ने कहा, यह कैसे के बारे में नहीं है, बल्कि कब के बारे में है क्योंकि बीसीसीआई सचिव के रूप में उनके पास अब भी एक साल बचा है जिसके बाद संविधान के अनुसार भारतीय बोर्ड में उनका ब्रेक (कूलिंग ऑफ पीरियड) 2025 में शुरू होगा। हालांकि अगर उन्हें 2025 में पदभार संभालना है तो बार्कले दिसंबर 2024 से दिसंबर 2026 तक दो साल का अपना तीसरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे। एक विचारधारा यह है कि क्या होगा यदि आईसीसी की अध्यक्षत का कार्यकाल दो–दो साल के तीन कार्यकाल से बदलकर तीन–तीन साल के दो कार्यकाल हो जाए, तो कुल कार्यकाल छह साल ही रहेगा।

चौंपियंस ट्रॉफी को लेकर चर्चा संभव

शुक्रवार को बोर्ड की बैठक के साथ शुरू होने वाले आईसीसी सम्मेलन में वैश्विक संस्था द्वारा अमेरिका में टी20 विश्व कप मैचों की मेजबानी में दो करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के नुकसान पर चर्चा होने की उम्मीद है। हालांकि वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के नौ सूत्रीय एजेंडे में टूर्नामेंट का वित्तीय विवरण शामिल नहीं है, लेकिन बोर्ड द्वारा 'कार्यक्रम के बाद की रिपोर्ट' के रूप में इस पर चर्चा की जाएगी जो एक मानक संचालन प्रक्रिया है। आईसीसी की सदस्यता, एसोसिएट सदस्यों की बैठक की रिपोर्ट और आईसीसी विकास पुरस्कार प्रस्तुति पर चर्चा के साथ–साथ आईसीसी के नए बाहरी लेखा परीक्षक की नियुक्ति भी एजेंडे में है। एक अन्य महत्वपूर्ण बिंदु चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का पाकिस्तान नहीं जाना आईसीसी बोर्ड के आधिकारिक एजेंडे का हिस्सा नहीं है जब तक कि इसे कोई अन्य काम वर्ग के तहत अध्यक्ष की अनुमति से नहीं लाया जाता।

निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को बजट पेश करेंगी, नौकरियों पर रह सकता है फोकस

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में 2024–25 का बजट पेश करने वाली हैं। 2024–25 का बजट मोदी 3.0 सरकार का पहला प्रमुख आर्थिक दस्तावेज होने वाला है। इसमें वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोड मैप तैयार होने की संभावना है। इसके अलावा भी कई बातों पर इसमें गौर किया जाएगा। कई विशेषज्ञों ने सरकार से आग्रह किया है कि वह उपभोग को बढ़ावा देने के लिए आम आदमी को कर में राहत प्रदान करे। मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने और आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए कदम उठाए। पिछले दो बजटों में नई कर व्यवस्था को डिफ़ॉल्ट विकल्प बनाने और मानक कटौती सुविधा शुरू करने के अलावा कराधान नीतियों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं किया गया। बीते 11 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शीर्ष अर्थशास्त्रियों से मुलाकात की, जिसमें उन्होंने नौकरियों पर नए सिरे से जोर देने के साथ–साथ विनिर्माण और ग्रामीण कारोबार को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने केंद्र–राज्य संबंधों की जटिलताओं पर भी बात की, विशेष रूप से केंद्र द्वारा कई कार्यक्रमों या योजनाओं को वित्तपोषित करने और राज्यों द्वारा जमीनी स्तर पर इनके क्रियान्वयन के लिए पूरी जवाबदेही नहीं लेने पर, जैसा कि इंडियन एक्सप्रेस ने बताया था। आर्थिक विश्लेषकों ने कहा कि अर्थव्यवस्था में वृद्धि असमान बनी हुई है और खाद्य कीमतों में उछाल जारी है, ऐसे में नौकरियों और आय को बढ़ावा देने के लिए संभावित कदम उठाए जा सकते हैं। पिछले महीने संपन्न हुए आम चुनाव

में मोदी की पार्टी आधे से भी कम वोटों से चुनाव हार गई, क्योंकि नौकरियों और जीवन की उच्च लागत ने उनके हाई वोल्टेज हिंदू राष्ट्रवादी अभियान को फीका कर दिया। सत्ता में बने रहने के लिए मोदी दो अस्थिर क्षेत्रीय सहयोगियों, तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल (यूनाइटेड) पर निर्भर हैं, जो क्रमशप्रतिशत आंध्र प्रदेश और बिहार राज्यों पर नियंत्रण रखते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेंगी, जिससे सरकार की आर्थिक नीतियों में किसी भी बदलाव की पहली झलक मिलेगी। 1 अप्रैल से शुरू हुए वित्तीय वर्ष 2024/25 के अंतरिम बजट अनुमानों को नए बजट से बदल दिया जाएगा। बार्कलेज की क्षेत्रीय अर्थशास्त्री श्रेया सोधानी ने कहा, ष्हमें लगता है कि बजट आर्थिक और राजनीतिक अनिवार्यताओं के बीच संतुलन बनाएगा।ष् सोढानी ने केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक का हवाला देते हुए कहा, ष्इसका मतलब यह होगा कि सरकार आरबीआई लाभांश और उच्च कर राजस्व से प्राप्त अप्रत्याशित लाभ का उपयोग घाटे को कम करने के बजाय अधिक खर्च करने के लिए करेगी।'' केंद्रीय बैंक से रिकॉर्ड 25 बिलियन डॉलर का अधिशेष हस्तांतरण सरकार को घाटे को बढ़ाए बिना खर्च करने के लिए अधिक गुंजाइश देगा। रॉयटर्स द्वारा सर्वेक्षण किए गए अधिकांश अर्थशास्त्रियों ने कहा कि राजकोषीय घाटे का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद के 5.1प्रतिशत पर बरकरार रखा जाएगा। पिछले तीन वर्षों में, सरकार ने विकास को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के लिए दीर्घकालिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर खर्च को लगभग दोगुना कर दिया है। इस साल ऐसी परियोजनाओं पर 11 ट्रिलियन भारतीय रुपये (+131.61 बिलियन) खर्च करने की योजना है और कुछ अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि बजट में विनिर्माण को अतिरिक्त बढ़ावा दिया जाएगा। नोमुरा के अर्थशास्त्रियों ने एक नोट में कहा, ष्हमें उम्मीद है कि सरकार घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने पर अपना ध्यान केंद्रित रखेगी।'' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें स्थानीय खरीद आवश्यकताओं में वृद्धि और नई विनिर्माण सुविधाओं के लिए रियायती कर दर के विस्तार की उम्मीद है। उम्मीद है कि सरकार उपभोग बढ़ाने वाले उपाय भी लाएगी, जो चुनाव से पहले पेश किए गए अंतरिम बजट में नहीं थे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, आगामी बजट में कुछ श्रेणियों के लिए व्यक्तिगत आयकर में कमी की जा सकती है। राजनीतिक विश्लेषक रशीद किदवई कहते हैं, ष्भारतीय मध्यम वर्ग मोदी का बहुत दृढ़ निश्चय के साथ समर्थन कर रहा है। लेकिन कई सालों से उन्हें ज़्यादा राहत नहीं मिली है।'' ष्अब समय आ गया है कि सरकार उन्हें किसी तरह की राहत दे।ष् इसके साथ ही, दक्षिण एशियाई राष्ट्र ग्रामीण आवास और भोजन पर राज्य सब्सिडी बढ़ा सकता है।

सात फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी जीडीपी, एडीबी ने कहा– बेहतर मानसून से कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है। कहा, सामान्य से बेहतर मानसून के कारण कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है। एडीबी का यह अनुमान ऐसे समय में आया है, जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत के लिए अपने जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने पिछले महीने अपने वृद्धि अनुमान को 7 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया था। एडीबी ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था 2025–26 में 7.2 फीसदी की दर से बढ़ने की राह पर है, जैसा कि अप्रैल, 2024 में अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया, 2022–23 में धीमी वृद्धि के बाद सामान्य से अधिक मानसून अनुमानों को देखते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है। ऐसा जून में मानसून की धीमी प्रगति के बावजूद है। ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए कृषि में सुधार महत्वपूर्ण होगा।

सम्पादकीय.......

सब्सिडी की राजनीति

इसमें दो राय नहीं है कि राजनीतिक दलों ने चुनावों में सफलता के शॉर्टकट के रूप में सब्सिडी को एक हथियार बना लिया है। लेकिन ऐसा करते वक्त वे राज्य की राजकोषीय वास्तविकताओं का ध्यान नहीं रखते। यही वजह है कि विधानसभा चुनाव के दौरान कई लोकलुभावन घोषणाएं करने वाले हिमाचल के मुख्यमंत्री ने राज्य की आर्थिक सेहत के मद्देनजर एक मजबूत फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली हिमाचल प्रदेश सरकार ने करदाता उपभोक्ताओं के लिये मुफ्त बिजली योजना को वापस लेने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। दरअसल, राज्य सरकार को यह कदम हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड यानी एचपीएसईबी के गंभीर वित्तीय संकट के मद्देनजर उठाना पड़ा है। एचपीएसईबी ने वित्तीय वर्ष 2023–24 में 18,000 करोड़ रुपये के घाटे की सूचना दी थी। यह निर्णय विभिन्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को प्रभावित करता है। हालांकि, इस निर्णय में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वर्ग व अन्य कमजोर श्रेणियों के लोगों को राहत दी गई है। दरअसल, भारी कर्ज बोझ और राज्य अनुदान व जीएसटी आवंटन में घटते राजस्व के चलते एचपीएसईबी वित्तीय संकट का तनाव झेल रहा है। इस तरह शून्य बिजली बिल प्रावधान को 'एक परिवार, एक मीटर' तक सीमित करके तथा आधार व राशन कार्डों से कनेक्शन को जोड़कर इसे तर्कसंगत बनाने का प्रयास किया गया है। कहा जा रहा है कि इस कदम से बिजली बोर्ड को दो सौ करोड़ रुपये की बचत होगी। निश्चित रूप से हिमाचल सरकार का यह फैसला राज्य की माली हालत के मद्देनजर राजकोषीय वास्तविकताओं का सामना करने पर चुनावी मुफ्त सुविधाओं की नुकसानदायक प्रवृत्ति को ही उजागर करता है। कमोबेश पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने तमाम लोकलुभावनी घोषणाओं के साथ राज्य में सरकार बनायी थी। यही वजह है कि लोग कांग्रेस सरकार पर चुनावी वायदे से मुकरने के आरोप लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुफ्त बिजली योजना वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने बड़े उत्साह के साथ आरंभ की थी। इस योजना के अंतर्गत चौदह लाख से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया था। लेकिन अब हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड के आर्थिक संकट के मद्देनजर इस सब्सिडी का दायरा घटाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार में आम आदमी को राहत पहुंचाना सराहनीय कदम है,लेकिन वहीं दीर्घकालीन उद्देश्यों को हासिल करने के लिये राज्य की सेहत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निश्चित रूप से हिमाचल सरकार के मौजूदा फैसले के कई गहरे निहितार्थ हैं। एक निष्कर्ष यह भी है कि चुनावी वायदों को राजकोषीय जिम्मेदारी के साथ जोड़कर देखने की आवश्यकता है। निस्संदेह, कोई भी सेवा व सुविधा मुफ्त नहीं मिलती। किसी भी सुविधा को मुफ्त देने से सेवा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है। वह संस्थान व विभाग भी घाटे की अर्थव्यवस्था का शिकार होकर रह जाता है। मुफ्त की चीजें और सब्सिडी भले ही राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने की दृष्टि से आकर्षक नजर आती हों, लेकिन उनके दीर्घकालिक आर्थिक प्रभावों को लेकर सावधानी पूर्वक विचार किया जाना चाहिए। निस्संदेह, सतत विकास और वित्तीय स्थिरता वाली नीतियों के निर्माण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राजनीतिक दलों की अल्पकालिक लाभ के लिये बनायी गई लोकलुभावनी नीति, राज्य के दीर्घकालिक नुकसान का कारण न बने। निस्संदेह राजनीतिक लाभ के लिये चुनावी आश्वासन महत्वपूर्ण हैं। लेकिन उन्हें राज्य की आर्थिक वास्तविकताओं के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि किसी भी सरकार के लिये एक बार दिया गया लाभ या सब्सिडी वापस लेना, राजनीतिक दृष्टि से आसान नहीं होता। लेकिन राज्य की आर्थिक सेहत के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। हिमाचल सरकार के हालिया फैसले में पूरे देश के लिये अनुकरणीय संदेश निहित है।

ट्रम्प पर हमला: राजनीति को हिंसा-घृणा से मुक्त करने की जरूरत

डॉ. दीपक पाचपोर

अब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर गोली दागी गई है। वैसे तो वे इस वक्त राष्ट्रपति नहीं हैं लेकिन अभी के राष्ट्रपति जो बाइडेन के पहले वे ही विश्व के इस सर्वाधिक ताकतवर पद को सम्हाल रहे थे।

अमेरिका के राष्ट्रपति को अमूमन दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान माना जाता है। उसका कारण है खुद उस देश का सबसे शक्तिशाली होना– मूल रूप से ज्ञान, सूचना, व्यवसाय और सबसे बड़ी बात अपनी सामरिक ताकत के कारण। परमाणु शक्तियों और अत्यंत आधुनिक सेना के चलते वह दूसरे विश्व युद्ध के बाद से ही एक तरह से दुनिया का अगुवा राष्ट्र माना जाता है। अपने भीतर एक मजबूत लोकतांत्रिक प्रणाली में जीने वाले इस मुल्क के राष्ट्रपति के पास इतनी ताकत होती है कि वह अपने देश के साथ–साथ दुनिया भर का नेता मान लिया जाता है। संसदीय प्रणाली की बजाय राष्ट्रपति प्रणाली वाले अमेरिका का यह शीर्ष व्यक्ति इस व्यवस्था के चलते बड़ी शक्तियां अपने पास रखता है। इसके साथ ही उसके अंतरराष्ट्रीय दबदबे के कारण उसे अतिरिक्त ताकत मिल जाती है। उसकी खुद की चयनित होने की प्रणाली ऐसी दुरुह होती है कि वास्तविक रूप से पूरे देश में वोट बटोरकर ही कोई इस पद तक पहुंच सकता है। देश के पास अमेरिकी राष्ट्रपति को सुरक्षित रखने के लिये बहुत प्रोफेशनल सुरक्षाकर्मियों का बड़ा दस्ता होता है। अमेरिका में पहले जब दो राष्ट्रपति मारे गये थे, तब राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां ऐसी नहीं थीं लेकिन दुनिया में वर्तमान में जो हालात हैं, उसके कारण छोटे से छोटे और महत्वहीन देश तक अपने राष्ट्राध्यक्षों से लेकर तमाम छोटे–बड़े नेताओं को कड़ी सुरक्षा देते हैं। यह अलग बात है कि इसके बावजूद कई राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजनीतिज्ञ मारे जाते हैं। अमेरिका की ही बात करें तो दास प्रथा का उन्मूलन करने वाले अब्राहम लिंकन की 1865 में एवं जॉन एफ. कैनेडी की 1968 में हत्या हुई थी। 1972 में राष्ट्रपति पद के एक उम्मीदवार जॉर्ज सी. वैलेस पर गोलियां चली थीं जिससे घायल होकर वे आजीवन व्हील चेयर पर रहे। अब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर गोली दागी गई है। वैसे तो वे इस वक्त राष्ट्रपति नहीं हैं लेकिन अभी के राष्ट्रपति जो बाइडेन के पहले वे ही विश्व के इस सर्वाधिक ताकतवर पद को सम्हाल रहे थे। सम्भावना है कि अगली मर्तबा फिर से वे ही अपनी पार्टी के प्रत्याशी होंगे। इसका दावा उन्होंने पेश कर दिया है और इस रेस में वे आगे हैं। एफबीआई एवं अन्य जांच एजेंसियां देख रही हैं कि उनकी हत्या की साजिश का कारण क्या हो सकता है– कोई अंदरूनी मसला अथवा कोई अंतरराष्ट्रीय साजिश। जो भी हो, यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा लेकिन जिस प्रकार से ट्रम्प को निशाना बनाया गया है उससे एक बार फिर से राजनीति को हिंसा से मुक्त बनाने की जरूरत महसूस होने लगी है। यदि अमेरिका जैसे देश का अभी ही रिटायर हुआ राष्ट्रपति, जिसे लगभग वैसी ही सुरक्षा मिली हुई है जैसी कि उसे पद पर बने रहने के दौरान मिलती थी, एक 20 वर्षीय युवा के हाथों मरने से बाल–बाल बच जाता है, तो उसके कारण ढूंढ़ने से अधिक जरूरी है कि हिंसा से मुक्त दुनिया बनाने के सम्मिलित प्रयास किये जायें। ट्रम्प उन राष्ट्रपतियों में से एक रहे हैं जिन्हें अपने विरोधियों और कुछ वर्गों के प्रति उनकी घृणा के लिये जाना जाता है। वे चार साल ही राष्ट्रपति रहे परन्तु उतने अल्प समय में उन्होंने अनेक समूहों के प्रति अपनी नफरत और हिंसा का भाव प्रदर्शित किया। पड़ोसी देश मैक्सिको से बडी संख्या में आने वाले लोगों के बारे में उन्होंने खराब शब्दों का इस्तेमाल किया था। यहां तक कि वे चाहते थे कि अमेरिका और मैक्सिको के बीच वे दीवार खड़ी कर दी जाये और उसका खर्च मैक्सिको से वसूला जाये। अप्रवासियों के प्रति उनकी राय हमेशा नफरत वाली रही है। इसकी शुरुआत उन्होंने 2015 में पद की अपनी दावेदारी का ऐलान करने के साथ ही कर दी थी। बाद में तो उनकी यह घृणा सभी तरह के अप्रवासी और यहां तक कि सभी बाहरी लोगों के लिये विस्तार पाती गई। ऐसे ही नस्लीय भेदभाव बरतने वालों और हिंसा में शामिल लोगों को वे प्रोत्साहन देते थे। ट्रम्प के खिलाफ अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के पास अनेक रिपोर्ट आईं कि हिंसा करने वाले कई लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। साल 2016 में एक श्वेत व्यक्ति अपने अश्वेत पड़ोसियों को चाकू से डराता हुआ पकड़ा गया। उसने अधिकारियों को धमकाया कि श्ट्रम्प उन्हें ठीक कर देंगे।श ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं को 16 निष्क्रिय बम भेजने वाले सीजर सीयोक नामक व्यक्ति ने ट्रम्प को अपना श्सरोगेट पिताश बतलाया तो 2019 में टेक्सास के एल पासो में हुई जिस सामूहिक गोलीबारी में 23 लोग मारे गये थे, उनके शूटरों ने अप्रवासियों को लेकर ट्रम्प के बयान को दोहराया। अमेरिका में जब श्ब्लैक लाइव्स मैटरश आंदोलन चल रहा था तब जिस किशोर ने उसमें शामिल तीन लोगों की हत्या कर दी थी, ट्रम्प ने उसका बचाव किया था। 2020 में हुई पहली राष्ट्रपति बहस में ट्रम्प ने श्वेत वर्चस्ववादियों की आलोचना करने से मना कर दिया था। अगस्त, 2015 में बोस्टन में दो भाइयों ने एक बेघर व्यक्ति पर पेशाब कर दी। जब उन्हें पकड़ा गया तो उन्होंने ट्रम्प को उद्धृत करते हुए कहा कि वे सही हैं और सभी अप्रवासी लोगों को निर्वासित करना चाहिये। हालांकि बाद में पता चला कि वह व्यक्ति मैक्सिकन तो था लेकिन अमेरिका का ही नागरिक था, न कि अवैध रूप से रहने वाला कोई अप्रवासी। हिंसा से ट्रम्प को कोई बहुत परहेज नहीं रहा है। 2015 में मियामी में उनकी एक प्रचार सभा में जब उन्हें प्रदर्शनकारी बार–बार टोक रहे थे तो उन्होंने चेताया कि अगली बार जब वे उनसे बात करेंगे तो थोड़ा अधिक हिंसक होकर करेंगे।

संविधान विरोधी छवि को बदलने की कवायद

राजेंद्र शर्मा

इससे मुखर विडंबना दूसरी नहीं होगी। जिस दिन अखबारों की सुर्खियों में मोदी सरकार के इसके फैसले की खबर छपी कि, अब हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाया जाएगा, उसी दिन के अखबारों में एक और बड़ी सुर्खी दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा कथित शराब घोटाले से जुड़े ईडी द्वारा बनाए गए धनशोधन मामले में, अंतरिम जमानत दिए जाने की थी। इसके साथ, उसी दिन के अखबारों में छपी एक और खबर को भी जोड़ लें जो बताती थी कि कथित शराब घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है, अरविंद केजरीवाल की ही न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी गई थी। सरल शब्दों में कहें तो बाद वाली दो खबरों का संयुक्त रूप से अर्थ यह था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तथाकथित शराब घोटाले के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ साक्ष्यों को प्रथम दृष्टया नाकाफी करार देकर, उन्हें जमानत दे दिए जाने के बावजूद, मोदी सरकार ने इसका पुख्ता बंदोबस्त कर रखा था कि वह जेल से बाहर नहीं निकल पाएं। और नरेंद्र मोदी की ही तरह, अपने स्तर पर जनता द्वारा लगातार तीन बार चुने गए एक शीर्ष कार्यपालिका अधिकारी के साथ इस तरह का तानाशाहीपूर्ण सलूक करने वाली सरकार का ही फैसला है कि, अब हर साल 25 जून को श्संविधान हत्या दिवसश मनाया जाएगा! वाकई, इससे मुखर विडंबना दूसरी मुश्किल से ही मिलेगी।

यह शायद ही कोई मानने को तैयार होगा कि 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी द्वारा देश में आंतरिक आपतकाल लगाए जाने की याद दिलाने के लिए श्संविधान हत्या दिवसश मनाए जाने के इस फैसले के पीछे, वाकई मौजूदा सत्ताधारियों की संविधान और संवैधानिक जनतंत्र को बचाने की चिंता है, जिसका कि दावा इस संबंध में प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री समेत, सत्ताधारी कुनबे की ओर से किया जा रहा है। वास्तव में इसे संयोग हर्गिज नहीं माना जा सकता है कि पिछले ही दिनों हुए आम चुनाव में भाजपा और उसके नेतृत्ववाले एनडीए को जबर्दस्त धक्का लगने के बाद और जनता द्वारा भाजपा को पिछले दो चुनावों में मिले अकेले पूर्ण बहुमत से बहुत पीछे धकेल दिए जाने के बाद ही, अचानक भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को श्संविधान हत्या दिवस मनाने के जरिए, संविधान बचाने की चिंता सताने लगी है। यह सब कितना अचानक है, इसे सिर्फ दो तथ्यों से समझा जा सकता है। पहला, 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने की गजट अधिसूचना, 12 जुलाई को जारी की गई, यानी इस साल की इमरजेंसी की सालगिरह के निकल जाने पूरे ढाई हफ्ते बाद। इमरजेंसी जो भी, जैसी भी थी, उसके चरित्र के संबंध में क्या इस दौरान कोई ऐसा नया रहस्योद्घाटन हुआ है या नये सच सामने आए हैं, जो ठीक इस मुकाम पर मोदी सरकार को इसका इलहाम हुआ है कि संविधान हत्या दिवस मनाना जरूरी है! वास्तव में, ऐसा भी नहीं है कि 25 जून को जब इमरजेंसी की ताजातरीन सालगिरह गुजरी थी, मोदी और उनकी सरकार को इमरजेंसी की याद ही नहीं रही हो। उल्टे खुद प्रधानमंत्री मोदी से शुरू कर, वर्तमान सत्ताधारियों ने अपने हिसाब से जी–भर कर इमरजेंसी पर हमले किए थे। वास्तव में इस सब के पीछे भ्रमित या सचेत रूप से भ्रम फैलाने की नीयत से फैलाई गई, यह गलतफहमी और थी कि इस 25 जून को इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे। इस सबके बावजूद, मोदी सरकार को जब उसके हिसाब से इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे, उस मौके पर भी संविधान हत्या दिवस मनाने की बात नहीं सूझी। और इस आइडिया के आने में ढाई हफ्ते और निकल गए! दूसरी बात यह कि क्या यह विचित्र नहीं है कि इमरजेंसी में ज्यादतियां आदि सहने वालों तथा कुर्बानियां देने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए संविधान हत्या दिवस मनाने का ख्याल मोदी निजाम को दो कार्यकाल पूरे होने के बाद ही आया है। वैसे, संघ–भाजपा के मामले में यह अचरज की बात हर्गिज नहीं है कि जिन चीजों को वे राजनीतिक रूप से भुनाना चाहते हैं, उन्हें लेकर उनकी पीड़ा सामान्य मानवीय प्रकृति से उल्टी ही चलती है यानी जहां सामान्यतरू वक्त जैसे–जैसे गुजरता है, मानवीय पीड़ा घटती जाती है, उनकी गढ़ी हुई पीड़ा बढ़ती ही जाती है। इसलिए, हैरानी की बात नहीं है कि जहां दस साल पहले मोदी राज को इमरजेंसी की चुभन इतनी महसूस नहीं होती थी कि इसका रेचन करने के लिए अलग से एक राष्ट्रीय दिवस मनाना शुरू किया जाता, दस साल गुजरने के बाद उसे श्संविधान हत्या दिवसश मनाना अत्यंत आवश्यक लग रहा है। याद रहे कि ऐसा ही श्विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसश मनाए जाने के फैसले के मामले में भी हुआ था। यह दिवस मनाने की जरूरत का एहसास भी मोदी सरकार को सात साल राज करने के बाद ही कहीं जाकर हुआ था। पुनः ऐसा नहीं है कि इमरजेंसी की बुराइयों का पता मोदी राज को, शुरू से ही नहीं रहा हो। वास्तव में मोदी राज के दस साल में ऐसा कोई साल नहीं गुजरा होगा, जब मोदी राज ने और संघ–भाजपा ने 25 जून के गिर्द अपने इमरजेंसी विरोधी क्रेडेंशियल दिखाने की कोशिश नहीं की होगी। संघ–भाजपा के दुर्भाग्य से उन्हें बार–बार इसकी जरूरत इसलिए पड़ती है कि उनकी इमरजेंसी के विरोध की विरासत में ठीक उतनी ही और वैसी ही सच्चाई है, जैसी और जितनी सच्चाई, उनके वैचारिक पुरखों में अग्रणी, वीडी सावरकर की ब्रिटिश हुकूमत के विरोध की विरासत में है। यह कहानी सरकारी दमन का सामना होते ही, मैदान छोड़कर भाग खड़े होने और आत्मसमर्पण करने पर आमादा होने की ही ज्यादा है, जबकि अपने विश्वासों के लिए डटकर खड़े हो जाने की बहुत ही दुर्लभ मामलों में ही है। हैरानी की बात नहीं है कि एक बार फिर संघ–भाजपा के इमरजेंसी के श्स्मरणश के साथ, सोशल मीडिया में विभिन्न स्तरों के संघ–भाजपा (तब जनसंघ) नेताओं के माफीनामों की कहानियां वाइरल हो रही हैं। इनमें आरएसएस के तत्कालीन सरसंघचालक, देवरस की चिठ्ठियां सबसे प्रमुख हैं, जो साफ तौर पर दिखाती हैं कि संघ और उसके राजनीतिक बाजू को इमरजेंसी से कोई खास सैद्धांतिक आपत्ति नहीं थी। उल्टे वे तो इमरजेंसी राज और उसके बदतरीन रूप, संजय गांधी के पांच सूत्री कार्यक्रम को अपना समर्थन तथा सहयोग देने के लिए भी तत्पर थे, बशर्ते आरएसएस पर लगी पाबंदी उठा ली जाती और उनके लोगों को जेल से छोड़ दिया जाता। जाहिर है कि इन माफीनामों, चिठ्ठियों की सच्चाई से तो संघ–भाजपा के पक्के पैरोकार भी इंकार नहीं कर सकते हैंय हां! इस मामले में भी सावरकर के माफीनामों वाले ही तर्क का सहारा लेकर वे इस सब को आत्मरक्षा की चतुर कार्यनीति बताकर, इसका बचाव करने की अनैतिक सी कोशिश जरूर करते हैं! बहरहाल, इस सबसे इतना तो साफ हो ही जाता है कि संघ–भाजपा की इमरजेंसी की आलोचनाएं, उनके वाकई इमरजेंसी जैसी तानाशाही के खिलाफ होने की गवाही नहीं देती हैं। इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि अनेक पैनी नजर रखने वाले राजनीतिक प्रेक्षकों से यह छुपा नहीं रहा है कि संविधान हत्या दिवस मनाने के इस ऐलान का और ठीक इस समय पर इस ऐलान का, जबकि इस साल की इमरजेंसी की सालगिरह निकल चुकी है और अगले साल की वही सालगिरह पूरे साढ़े ग्यारह महीने दूर है, इमरजेंसी राज की तानाशाही, ज्यादतियों आदि के विरोध से कुछ खास लेना–देना नहीं है। उल्टे उसका ज्यादा लेना–देना, खुद मोदी राज की ही इसकी आलोचनाओं से है कि वह बिना ऐलान किए, जनतंत्र को समेट कर, देश पर ज्यादा से ज्यादा तानाशाही थोप रहा है। पिछले ही दिनों हुए आम चुनावों में विपक्ष ने सत्ताधारी निजाम की अपनी आलोचनाओं के एक केंद्रीय मुद्दे के तौर पर इस सवाल को उठाया था। और चुनाव प्रचार के दौरान, जब भाजपा के कम से कम चार उम्मीदवारों के संविधान बदलने के इरादे जताने और वास्तव में अब की बार चार सौ पार के नारे को इन इरादों के साथ जोड़ने के बाद, जब विपक्ष ने संघ–भाजपा के संविधान बदलने पर आमादा होने का मुद्दा उठाया और संविधान की हिफाजत करने का संकल्प जताया, तो जैसा कि अब सभी स्वीकार करते हैं, उसका मतदाताओं के बीच और सबसे बढ़कर सामाजिक रूप से वंचितों के बीच, जबर्दस्त असर हुआ। जाहिर है कि मोदी राज, संविधान हत्या दिवसश के बहाने आम तौर पर विपक्ष और खासतौर पर कांग्रेस को निशाना बनाकर, अपने संविधान को बदलना चाह रहे होने की इसी छाप को मिटाने की कोशिश कर रहा है। बेशक, कोई यह दलील दे सकता है कि चुनाव में धक्का लगने के बाद ही सही, अगर संघ–भाजपा का निजाम, अपनी इस संविधान–विरोधी छवि को बदलने की कोशिश कर रहा है और उसके लिए इमरजेंसी के विरोध को प्रतीक बनाने की कोशिश कर रहा है, तब भी इसमें गलत क्या है? आखिरकार, चुनाव नतीजों से सीखना तो जनता की इच्छा की कद्र करना ही है, जिसका स्वागत ही किया जाना चाहिए, न कि विरोध।

हिंसा पर राजनीति खतरनाक है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जुमले आपदा में अवसर को पूरी गंभीरता के साथ भाजपा नेताओं ने चरितार्थ करना शुरु कर दिया है। अमेरिका में चुनाव प्रचार कर रहे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले को भाजपा ने अपनी विचारधारा को बढ़ाने के अवसर के तौर पर देखा और राहुल गांधी पर नए सिरे से हमला बोलने की शुरुआत कर दी। न्यूज चौनलों की दुनिया में सबसे तेज होने का दावा करने वाले चौनल पर भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने अमेरिका में डेमोक्रेट्स नेताओं की ओर से डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा और भारत में कांग्रेस नेताओं की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के लिए इस्तेमाल की गई भाषा के बीच समानताएं बताईं और एक गंभीर आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता और खासकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। अमित मालवीय ने ऑन एयर यह भी कहा कि इससे पहले कि कांग्रेस यह दावा करे कि उनके नेताओं की हत्या हुई, मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि उनकी हत्या उनके राजनीतिक फैसलों के कारण हुई। हैरानी की बात यह है कि यह बात केवल उस कार्यक्रम तक सीमित नहीं रही, बल्कि जो एंकर इस कार्यक्रम को संचालित कर रहा था, उसने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर इस बयान को जस का तस पोस्ट करके बताया कि अमित मालवीय ने ऐसा कहा है। इस बात के दो ही अर्थ हो सकते हैं, पहला तो यह कि हाथी की खिचड़ी खाकर मगन होने वाले इस तथाकथित एंकर–पत्रकार को भारत की लोकतांत्रिक विरासत और शहादत की शून्य समझ है, तभी उसने भाजपा नेता के बयान को कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया के जरिए प्रचारित किया। दूसरा अर्थ यह है कि एंकर समेत पूरा चौनल भाजपा के कांग्रेस विरोधी एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए औजार की तरह इस्तेमाल हो रहा है। अब यह कांग्रेस के सोचने का विषय है कि वह अपने प्रवक्ताओं को इस चौनल पर बैठने की अनुमित दे या न दे, क्योंकि चौनल ने तो अपना पक्ष जाहिर कर ही दिया है। वैसे इस चौनल पर चुनाव के वक्त प्रियंका गांधी का साक्षात्कार भी प्रसारित हुआ था और इसकी मालिक के साथ उनकी तस्वीरें भी सामने आईं। प्रियंका गांधी के साक्षात्कार से चौनल को टीआरपी मिली होगी, लेकिन कांग्रेस को आखिर में क्या मिल रहा है, इस पर आत्ममंथन अगर कांग्रेस करे और यह समझे कि सियासी मकड़जाल में फंस चुके मीडिया में अपना बचाव वह किस तरह करे, तो शायद फिर भाजपा के एजेंडे का जवाब दिया जा सकता है।

बहरहाल, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अमित मालवीय की बर्खास्तगी की मांग प्रधानमंत्री से की है, वहीं कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा है कि क्या वह उनके विचार का समर्थन करते हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, बीजेपी के इस बड़बोले नेता के अनुसार महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी, सरदार बेअंत सिंह और छत्तीसगढ़ का पूरा कांग्रेस नेतृत्व राजनीतिक फैसलों के कारण हत्या के लायक था। पवन खेड़ा ने भाजपा की मानसिकता पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस की इस निंदा पर भाजपा या प्रधानमंत्री मोदी कोई जवाब देते हैं या नहीं, यह पता चल ही जाएगा। लेकिन दस सालों में बन चुके नए भारत के इस सच को देखकर भविष्य के भारत की तस्वीर का अनुमान लगाना कठिन नहीं है। राहुल गांधी ने भारत के ऐसे भविष्य की ओर ही आगाह करते हुए दो साल पहले केंब्रिज विवि में कहा था कि –पूरे देश में केरोसिन छिड़क दी गई है, केवल चिंगारी लगाने की देर है। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा में नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान का जो नारा दिया था, उसके मायने कितने गहरे थे, ये बात आज और खुलासे के साथ समझी जा सकती है। राहुल गांधी की बात पर भाजपा नेताओं को तब भी आपत्ति थी और वे उन पर देशविरोधी बात कहने का आरोप लगाते थे। भाजपा नेता आज भी राहुल गांधी को ही कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। जबकि राहुल गांधी बार–बार हर तरह की हिंसा के खिलाफ ही बात करते आए हैं। अभी कुछ वक्त पहले राहुल गांधी तीसरी बार मणिपुर गए थे और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से फिर से अपील की थी कि वे इस राज्य में शांति बहाली के लिए खुद आएं और हालात को समझें। राहुल गांधी की यही राजनीति और देश के मौजूदा हालात पर उनका सटीक विश्लेषण भाजपा को शायद चुभता है, इसलिए उनके विरोध के लिए बार–बार मौके तलाशे जाते हैं। डोनाल्ड ट्रंप पर हमला ऐसा ही एक मौका था। लेकिन राहुल गांधी पर ऊंगली उठाकर हालात सुधारे नहीं जा सकते। इसका बड़ा उदाहरण बिहार है, जहां विकासशील इंसान पार्टी के मुखिया और इंडिया गठबंधन के नेता मुकेश सहनी के पिता की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद नीतीश कुमार के राज में कानून व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं, लेकिन भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा कि सभ्य समाज में ऐसी घटनाएं हो जाती हैं। भाजपा नेता अपराधी को पकड़ लेने का दावा कर रहे हैं, पर सवाल यही है कि आखिर हिंसा के लिए समाज में जगह बनाने का काम क्यों हो रहा है और इसे सामान्य क्यों लिया जा रहा है। सामान्य लोगों से लेकर दो–दो पूर्व प्रधानमंत्रियों समेत कई अहम हस्तियों की हत्या की अनेक घटनाएं देश में हुई हैं और अब तक ऐसी हर घटना पर पार्टी लाइन से ऊपर उठकर निंदा की जाती रही है। लेकिन अब इस पर जिस तरह की राजनीति की जा रही है, वह चिंतनीय है।

शाहरूख खान संग फिल्म हिट होते ही तापसी पन्नू ने बढ़ाई फीस, ओटीटी पर जल्द रिलीज होगी 'फिर आई हसीन दिलरुबा'

तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी, सनी कौशल और जिमी शेरगिल की शफिर आई हसीन दिलरुबाश 9 अगस्त को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस बीच तापसी पन्नू ने अपनी फीस बढ़ा दी है। शाहरुख खान के साथ डंकी में नजर आई थी एक्ट्रेस।

एक समय था जब तापसी ने एक साल में 6 फ्लॉफ फिल्में दी थी। एक्ट्रेस तापसी पन्नू लंबे समय से सुर्खियों में नहीं हैं। जांच–पड़ात करने के बाद पता चला कि बीते साल शाहरुख खान के साथ फिल्म 'डंकी' में दिखने के बाद से तापसी पन्नू का रुतबा सिनेमा में काफी बढ़ गया है। बता देंकि कुछ साल पहले तक चार से पांच करोड़ रुपये लेती रहीं तापसी इन दिनों एक फिल्म के लिए 12 से 15 करोड़ रुपये तक फीस मांग रही हैं और वही अभिनेत्री का प्रयास अपनी कंपनी को भी अपनी हर प्रस्तावित फिल्म में बतौर निर्माता शामिल कराने की रहती है।

'धक धक' से तापसी पन्नू बनी निर्माता

जानकारी के लिए बता दें कि एक्ट्रेस ने पहली फिल्म 'धक धक' बीते साल बनाई और अब तापसी अपनी हर फिल्म में बतौर निर्माता ही रहनी चाहती है। वो इसलिए अगर फिल्म में फायदे में होगी तो उसका एक निश्चित प्रतिशत भी उन्हें भी मिले। सूत्रों के अनुसार अपनी इस नई रणनीति के चलते तापसी नई फिल्में नहीं कर रही हैं और वह अब ऐसी फिल्मों पर ही जोर ज्यादा दे रही है जिनमें निर्माता उनको फिल्म के हीरो के बराबर ही अटेंशन दे और फायदे में हिस्सेदारी भी।

ओटीटी पर रिलीज होगी तापसी की फिल्म

तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी अपनी हिट ओटीटी फिल्म हसीन दिलरुबा के सीक्वल के लिए दूसरी बार फिर से साथ आने के लिए तैयार हैं। प्यार, धोखे और अपराध की वही दिल दहला देने वाली गाथा फिर आई हसीन दिलरुबा में लौट आई है। बदकिस्मत प्रेमी रानी और रिशु की उथल–पुथल भरी यात्रा 9 अगस्त को शुरू होगी, जो दर्शकों को एक रोमांचक सफर पर ले जाएगी। जयप्रद देसाई द्वारा निर्देशित, कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित और सह–निर्मित इस फिल्म में सनी कौशल और जिमी शेरगिल भी हैं। आनंद एल राय के कलर येलो प्रोडक्शंस और भूषण कुमार की टी–सीरीज़ फिल्म्स के साथ, यह सीक्वल काल्पनिक भारतीय पल्प लेखक दिनेश पंडित की हस्ताक्षर शैली में रोमांस, रहस्य और अप्रत्याशित मोड़ का वादा करता है।

शाहरुख और सुहाना खान की फिल्म किंग में होंगे अभिषेक बच्चन, बिग बी ने किया कंफर्म

शाहरुख खान और सुहाना खान की फिल्म किंग को लेकर इन दिनों काफी चर्चा है। इस फिल्म के जरिए स्क्रीन पर बाप–बेटी की जोड़ी पहली बार देखने को मिलेगी और दूसरा यह कि इसमें अभिषेक बच्चन विलेन के रोल में दिखाई देंगे। इसकी जानकारी अमिताभ बच्चन ने खुद दी है। अमिताभ बच्चन ने पुष्टि कर दी है कि उनके बेटे अभिषेक बच्चन शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग में एक्टिंग करेंगे। मंगलवार को बिग बी ने एक्स पर एक ट्वीट किया और अभिषेक के एक फैन क्लब के ट्वीट को कोट किया। ट्वीट में अभिषेक के खलनायक के रूप में होने की बात कही गई है और बताया गया कि एक्टर किंग में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे, जिसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी हैं। इंटरनेट यूजर ने अपने ट्वीट में लिखा, जिन्होंने अभिषेक सर को ब्रीद इनटू द शैडोज, रावण और बीबी में देखा है, उन्हें पता होगा कि नेगेटिव रोल में वह किस लेवल का परफॉर्मेंस दे सकते हैं। उन पर कभी शक न करें। बिग बी ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ऑल द बेस्ट अभिषेक.. यही समय है!!! किंग एक एक्शन–थ्रिलर फिल्म है, जो गुरु और शिष्य के सफर को दिखाता है। खबरों की मानें तो, फिल्म में शाहरुख डॉन के रोल में नजर आएंगे। उनका ये रोल एक ग्रे शेड किरदार होगा। वहीं सुहाना खान किंग की शिष्या की भूमिका निभाएंगी। अभिषेक बच्चन और शाहरुख खान इससे पहले कभी अलविदा ना कहना और हैप्पी न्यू ईयर में साथ काम कर चुके हैं। सिद्धार्थ आनंद की प्रोड्यूस की हुई इस फिल्म को श्सुजॉय घोष डायरेक्ट करने वाले हैं। इसे बड़े लेवल पर बनाया जा रहा है। यह 2025 में स्क्रीन पर आ सकती है।

घर लौटकर किम करदाशियां को आई भारत की याद, शेयर की एआर वेडिंग की बेहद प्यारी तस्वीरें

अमेरिकी अभिनेत्री किम करदाशियां को भारत में इतना प्यार मिला है कि वह अपने देश लौटने के बावजूद भर हमारे देश का ही गुनगान कर रही है। उन्होंने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल होने के लिए अपनी भारत यात्रा की कुछ और तस्वीरें साझा की हैं। किम (40) अपनी बहन क्लोई करदाशियां के साथ शुक्रवार सुबह भारत पहुंचीं। दोनों बहनों ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर इससे जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने मुख्य कार्यक्रम से पहले शहर में रिक्शा की सवारी भी की। किम ने श्इंस्टाग्रामश पर, भव्य विवाह समारोह की अब कुछ और तस्वीरें साझा की है, जिसमें वह वह लाल रंग की पोशाक में दिखाई दे रही हैं। वह इस रंग से मिलता–जुलता हेडबैंड और ब्रेसलेट भी पहनी हुई हैं। पोस्ट में वह ईशा अंबानी और नवविवाहित जोड़ा अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के साथ तस्वीर खिंचवाती नजर आ रही हैं। किम ने अपने कैप्शन में लिखा–'इंडिया में मेरा दिल है.'। करदाशियां बहनों की भारत यात्रा उनके लोकप्रिय रियलिटी टीवी शो द करदाशियन में दिखाई जाएगी। अनंत और राधिका का विवाह 12 जुलाई को हुआ और इसमें विभिन्न क्षेत्रों की कई हस्तियां शामिल हुईं। विवाह समारोह में कई मशहूर हस्तियां, खिलाड़ी, राजनीतिक नेता और अन्य लोग शामिल हुए। इसमें कई अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने भी प्रस्तुति दी। अनंत एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी के बेटे हैं और राधिका उद्योगपति वीरेन और शैला मर्चेंट की बेटी हैं।

गीता कपूर और कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस साल २०२० में इसके पहले सीजन से शो को जज कर रहे हैं. इस सीजन में तीसरे जज के रूप में करिश्मा कपूर उनके साथ शामिल हुई हैं. शो के साथ-साथ एक बार फिर गीता अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गई है. गीता कपूर को लेकर ऐसी अफवाहें चल रही है कि उन्होंने सीक्रेट शादी कर ली है.

५१ साल की गीता कपूर ने शादी की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी, कहा– 'करोड़ों के बंगले...

गीता कपूर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. फिल्म इंडस्ट्री में गीता मां के नाम से मशहूर ळममजं झंचनत इन दिनों सोनी टीवी के डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 4' को जज कर रही हैं. गीता कपूर और कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस साल 2020 में इसके पहले सीजन से शो को जज कर रहे हैं. इस सीजन में तीसरे जज के रूप में करिश्मा कपूर उनके साथ शामिल हुई हैं. शो के साथ–साथ एक बार फिर गीता अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गई है. गीता कपूर को लेकर ऐसी अफवाहें चल रही है कि उन्होंने सीक्रेट शादी कर ली है. हाल ही में नवभारत टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में गीता कपूर ने इनसब पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. कोरियोग्राफर ने कहा कि, 'हम सभी, जो फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं और हम लोगों को अक्सर अपनी नेटवर्थ के बारे में अफवाहों का सामना करना पड़ता है. जैसे मैंने कहीं देखा कि किसी ने लिखा कि मेरे पास करोड़ों की कारें और बंगले हैं. फिर, मैं सोचती हूं कि ये सब कहां हैं.' गीता ने आगे कहा कि, 'मुझे भी पता होना चाहिए, मुझे लगता है कि ये करोड़ों की गाड़ियां कहां हैं, मैं इन्हें चलाना चाहती हूं, ये करोड़ों के बंगले कहां हैं, मैं वहां रहना चाहती हूं, मेरे पास ये करोड़ों रुपये किस बैंक में हैं, मैं इन्हें खर्च करना चाहती हूं. इसलिए ये अफवाहें मुझे काफी शॉक्ड करती हैं. सरकार को हमारे पास मौजूद संपत्तियों के बारे में पता है और हम उस पर टैक्स भी देते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मेरे बारे में एक और अफवाह फैली हुई है कि मैं शादीशुदा हूं और मैंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है, जो मैंने नहीं की. अगर मैंने शादी की होती तो मैं बड़े गर्व से कहती कि हां मैं शादीशुदा हूं, मेरे कई बच्चे हैं. ये अफवाह बंद होनी चाहिए.' बता दें कि इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 4 का प्रीमियर 13 जुलाई को हुआ है. बता दें कि गीता जब फराह खान के साथ जुड़ीं, उस वक्त उनकी उम्र महज 15 साल थी. सबसे पहले वह 'तुझे याद न मेरी आई', और 'गोरी गोरी' आदि गानों में बतौर बैकग्राउंड डांसर नजर आईं थी. इसके बाद गीता ने कई हिट गानों को कोरियोग्राफ करके अपना नाम शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचा दिया।

विक्की कौशल ने रोमांटिक अंदाज में 'लेडी लव' कैटरीना कैफ को किया बर्थडे विश, दिखाए लवी-डवी मोमेंट्स

बॉलीवुड अदाकारा कैटरीना कैफ 41 साल की हो गईं। अभिनेत्री को आखिरी बार विजय सेतुपति स्टारर 'मेरी क्रिसमस' में देखा गया था। इस फिल्म का निर्देशन 'अंधाधुन' फेम निर्देशक श्रीराम राघवन ने किया था। फिलहाल, कैटरीना कैफ ने अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में कोई घोषणा नहीं की है और वह अपने कॉस्मेटिक बिजनेस और निजी जिंदगी पर ध्यान केंद्रित करती नजर आ रही हैं। दूसरी ओर 'बैड न्यूज' के प्रमोशन में व्यस्त टपबाल झंनींस ने कैटरीना के लिए सबसे प्रतीक्षित जन्मदिन पोस्ट करने के लिए कुछ खास पल निकाले और अपने खास पलों की झलकियां फैंस कोई दिखाई हैं। दुनिया भर से कैटरीना कैफ को जन्मदिन की बधाई मिल रही है, लेकिन उनके प्रशंसकों के लिए सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली बधाई आ ही गई। विक्की ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर उनके साथ कई अनदेखी रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'तुम्हारे साथ यादें बनाना मेरी जिंदगी का सबसे पसंदीदा हिस्सा है। हैप्पी बर्थडे माय लव!' उनका कमेंट सेक्शन दिल के इमोटिकॉन्स से भरा हुआ है क्योंकि प्रशंसकों को इस जोड़े को देखकर खुशी होती है। कई फैंस इस कपल को बी–टाउन सा सबस पसंदीदा कपल बता रहे हैं। काम की बात करें तो कैटरीना कैफ अगली बार फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा में नजर आएंगी, जिसमें आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा जोनास भी हैं। दूसरी ओर, विक्की अपनी अगली रिलीज 'बैड न्यूज' के लिए तैयार हैं। फिल्म का निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है, जिसमें विषमलैंगिक अतिशयता की कॉमेडी कहानी दिखाई गई है, जिसमें हास्य और अराजकता के साथ अकल्पनीय पितृत्व स्थितियों को दिखाया गया है। फिल्म का ट्रेलर बेहद भावुक रोलरकोस्टर राइड का वादा करता है, जिसमें गुदगुदाने वाला हास्य है। विक्की कौशल, एमी विर्क और त्रिप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई अक्षय कुमार, दिलजीत दोसांझ, करीना कपूर खान और कियारा आडवाणी अभिनीत गुड न्यूज की अगली कड़ी है। बैड न्यूज का सह–निर्माण आनंद तिवारी ने ही यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता और अमृतपाल सिंह बिंद्रा के साथ किया है। जबकि इशिता मोइत्रा और तरुण डुडेजा ने इसकी पटकथा लिखी है।

साड़ी के साथ ब्लाउज नहीं ब्रालेट कैरी करने का शुरू हुआ ट्रेंड, मिलेगा बोल्ड और स्टाइलिश लुक

साड़ी एक ऐसा आउटफिट है, जिसको रोजमर्रा में पहनने के अलावा पार्टी–फंक्शन आदि में भी पहना जाता है। हर राज्य, शहर, गांव और कस्बे की महिलाएं साड़ी पहने नजर आती हैं। बस साड़ी को पहनने का स्टाइल अलग होता है। लेकिन सोशल मीडिया का क्रेज बढ़ने के बाद साड़ी नए–नए अंदाज में ड्रेप होने लगी है। बता दें कि भारत में 108 से ज्यादा तरीकों से साड़ी पहनी जाती है। इस मॉर्डन जमाने में साड़ी से ब्लाउज लगभग गायब हो चुका है। एक समय था, जब ब्लाउज के बिना साड़ी अधूरी मानी जाती थी। आज के समय में बॉलीवुड की अधिकतर अभिनेत्रियां साड़ी तो पहनती हैं, लेकिन ब्लाउज उनकी स्टाइलिंग का पार्ट नहीं होता है। कियारा अडवाणी, आलिया भट्घ्ट, दीपिका पादुकोण और कटरीना कैफ जैसी अभिनेत्रियों ने साड़ी के साथ ब्रालेट पहनने का ट्रेंड शुरू किया है। यही वजह के अब मॉडर्न ब्राइड को लहंगे के साथ लंबी स्लीव्स और नाभि तक की लंबाई वाले ब्लाउज नहीं भाते हैं। बल्कि किसी भी पार्टी–फंक्शन या एनिवर्सरी आदि हर ओकेजन पर महिलाएं साड़ी के साथ ब्रालेट पहनने लगी हैं।

ब्रा और ब्रालेट में न हों कंफ्यूज

कई महिलाएं ब्रा और ब्रालेट में कंफ्यूज हो जाती है। लेकिन ब्रालेट मल्टीपर्पज है जिसको आप कई ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं। ब्रालेट को क्रॉप टॉप की कैटेगिरी में रखा जाता है। जबकि ब्रेस्ट को सपोर्ट देने के लिए ब्रा बनाई जाती है। इसके कप साइज अलग–अलग होते हैं। वहीं ब्रालेट लाइट फैब्रिक में बनाई जाती है। इसमें लाइट पैड का इस्तेमाल किया जाता है। यह कई डिजाइन और पैटर्न में होने के साथ फ्लेक्सिबल साइज में होती हैं। इसमें आपको स्मॉल, मीडियम, लार्ज, एक्स्ट्रा लार्ज और ग्गस् साइज मिल जाएगा। क्योंकि ब्रालेट का फैब्रिक हल्का होता है, इसलिए आप गर्मियों में साड़ी के साथ इसको आराम से कैरी कर सकती हैं।

स्लिम लुक देगी लेस ब्रालेट

साड़ी के साथ ब्रालेट कमाल की दिखती है। लेस ब्रालेट सुपर कंफर्टेबल होने के साथ स्किन फ्रेंडली भी होती है। इसके हुक को आप साइज के हिसाब से एडजस्ट कर सकती हैं। इस ब्रालेट में ब्रेस्ट पूरी तरह से कवर रहते है और यदि आप ब्लाउज की जगह इसको कैरी करती हैं, तो आपकी बॉडी स्लिम लुक देती है।

पॉलीकॉटन ब्रालेट

पॉलीकॉटन ब्रालेट का लेआउट भी ब्लाउज की तरह ही होता है। इसको आप लहंगे या फिर शिफान की साड़ी के साथ कैरी करती है, तो यह आपको ग्लैमरस लुक देने का काम करता है। कॉटन फैब्रिक होने के कारण पसीना नहीं आता है और स्किन संबंधी समस्या भी नहीं होती है। इसके साथ ही फुल कवरेज ब्रालेट हैवी ब्रेस्ट वाली महिलाओं के लिए परफेक्ट स्टाइल स्टेटमेंट का काम करती हैं।

पाएंगी सेलेब्स जैसा लुक

ज्यादातर ब़ॉलीवुड एक्ट्रेस स्ट्रैपलैस ब्रालेट पहनना पसंद करती हैं। इन ब्रालेट में स्ट्रैप्स नहीं होते हैं और यह ट्यूबटॉप की तरह लगता है। आप बोल्ड लुक पाने के लिए शिमरी या हैवी वर्क साड़ी के साथ इस तरह की ब्रालेट कैरी कर सकती हैं। कॉकटेल पार्टी में साड़ी के साथ इसको पहनने से आपको बोल्ड और ग्लैमरस लुक मिलेगा। फिल्म पठान के 'बेशरम रंग' गाने में एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने स्ट्रैपलेस ब्रालेट पहनी थी। जिसके बाद इसकी पॉपुलैरिटी काफी ज्यादा बढ़ गई है। मिडियम ब्रेस्ट साइज पर यह ब्रालेट सबसे ज्यादा अच्छी लगती है।

छोटे कंधे वाली महिलाएं कैरी करें ये ब्रालेट

लहंगे के साथ–साथ रफल साड़ी पर प्लीटेड ब्रालेट काफी अच्छी लगती है। आपको बता दें कि स्कायर नेक की प्लीटिड ब्रालेट कंधों को ब्रॉड लुक देती है। इसके अलावा आपको हॉल्टर प्लीटिड ब्रालेट से भी यह लुक मिलेगा। जिन महिलाओं के कंधे छोटे हैं, वह इस ब्रालेट को पहनकर अपने लुक में बदलाव कर सकती हैं। जिन महिलाओं की छोटी हाइट है और बस्ट लाइन हैवी नहीं होती है, वह वी नेक, डीप नेक या फिर स्कूप नेक का जॉ ड्रॉपिंग ब्रालेट पहन सकती हैं। इससे आपकी हाइट लंबी लगेगी। लॉन्ग लाइन ब्रालेट ब्लाउज के लेंथ तक होते हैं। वहीं इसको कैरी करने से स्किन भी ज्यादा नहीं दिखती है।

हैवी ब्रेस्ट पर भी सूट करती हैं ब्रालेट

यह एक मिथक है कि ब्रालेट सिर्फ कम ब्रेस्ट लाइन पर ही अच्छी लगती है, या सूट करती है। जबकि ऐसा मानना बिलकुल गलत है। ब्रालेट हैवी ब्रेस्ट पर भी काफी जचता है। हालांकि हैवी ब्रेस्ट वाली महिलाओं को ब्रालेट की डिजाइनिंग और सिलेक्शन काफी सोच–समझकर करना चाहिए। हैवी ब्रेस्ट वाली महिलाओं जैसे ट्राइंगल, लेसबैक, रेसरबैक, ब्लंज स्कूप, स्कूप, लॉगेविटी, लॉन्गलाइन कैमी ब्रालेट कैरी कर सकती हैं। इससे उनके ब्रेस्ट का हिस्सा अच्छे से कवर हो जाता है और वह बिना किसी संकोच के स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

भारत में नहीं था ये रिवाज

आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत में साड़ी के साथ ब्लाउज पहनने का रिवाज नहीं था। बल्कि साड़ी के साथ ब्लाउज पहनने का चलन ब्रिटिश राज में शुरू हुआ। इससे पहले यहां पर ब्लाउज के बिना साड़ी पहनी जाती थी। बता दें कि विक्टोरिया युग में बिना ब्लाउज की ड्रेस को पहनना खराब माना जाता है। जब भारत में ब्रिटिश शासन आया, तो साड़ी के साथ ब्लाउज पहनने का रिवाज शुरू कराया गया। ऐसा होने के बाद ब्रिटेन से अच्छी खासी संख्या में ब्लाउज इंपोर्ट होने लगे। ब्लाउज के चलन के पीछे एक और कहानी है। दरअसल, बंगाल के मशहूर कवि रविंद्रनाथ टैगोर के भाई सत्येंद्रनाथ टैगोर की धर्मपत्नी जनंदानंदनी देबी को एक बार ब्रिटिश क्लब में एंट्री इसलिए नहीं मिली, क्योंकि उन्होंने साड़ी से अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को कवर किया था। इस घटना के बाद जनंदानंदनी देबी ने ब्लाउज पहनना शुरू किया। ऐसे में भारत में ब्लाउज को पॉपुलर करने का श्रेय उनको जाता है।

प्राकृतिक सुंदरता और वातावरण कोटा को बनाते हैं एक आकर्षक पर्यटन स्थल

राजस्थान का उपनगर 'कोटा' एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर है जो अपनी विशेषताओं के लिए विख्यात है। यह नगरी ना सिर्फ अपने विकासशील माहौल और प्रगति के लिए मशहूर है, बल्कि यहां के सांस्कृतिक और शैक्षिक माहौल पर पूरे देश को गर्व है। कोटा का इतिहास गहरे संस्कार और परंपराओं से भरा हुआ है। इसे राजपूताना की राजधानी में भी जाना जाता है, जिसमें शानदार महल, बावड़ियों और गुम्मतों का विशेष महत्व है। कोटा की एक विशेषता यहां के ऐतिहासिक स्मारक हैं। यहां प्राचीन कला का विविध संगम है, जिसमें भारतीय संस्कृति का अद्वितीय अनुभव मिलता है। कोटा को शिक्षा का गढ़ माना जाता है, जहां छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए तमाम कोचिंग और शिक्षण संस्थान हैं। यहां देशभर से छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। यहां के विद्यालयों और संस्थानों ने अपने उच्च शैक्षणिक मानकों के चलते देशभर में अपना अलग मुकाम बनाया है और छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर स्थान प्राप्त करने में मदद की है। इसके अतिरिक्त, कोटा की प्राकृतिक सुंदरता और वातावरण भी इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाते हैं। यहां की खूबसूरत झीलें, अनोखे वन्यजीव अभ्यारण्य और ऐतिहासिक स्मारक दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कोटा शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल इस प्रकार हैं–

कोटा गढ़रू कोटा गढ़ शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर के शिक्षा और ऐतिहासिक महत्व को दर्शाता है। यहां के महल और किले इसे एक अनोखा और आकर्षक स्थल बनाते हैं।

चंबल गार्डनरू यह प्राकृतिक उद्यान कोटा के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां के विशाल झील और वन्यजीव इसे एक पर्यावरणीय क्षेत्र बनाते हैं।

किशोर सागर झीलरू यह झील कोटा शहर का एक और प्रमुख पर्यटन स्थल है जो अपनी शांतिपूर्णता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर बोटिंग और रिलैक्सेशन की सुविधाएं हैं।

गार्डन ऑफ लोड्सरू यह उद्यान फूलों और पौधों की सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है और यहां पर्यटक शांति और सुकून का आनंद लेते हैं।

रामगढ़ गार्डनरू यह गार्डन कोटा शहर का एक अन्य प्रमुख पर्यटन स्थल है जिसमें विभिन्न प्रकार के फूलों और वृक्षों की बगियां हैं।

उदयपुर का महलरू यह भी कोटा शहर का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है, जो अपनी विशेष वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है।

कोटा शहर के इन पर्यटन स्थलों के अलावा भी यहां पर कई धार्मिक स्थल, पार्क्स और स्थानीय बाजार हैं जो आपके दौरे को और भी रोमांचक बना सकते हैं। इन सभी स्थलों का दौरा करने से आपको कोटा शहर की समृद्ध और अनूठी संस्कृति का अनुभव होगा।

नारियल का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कौन–सा नारियल सेहत के लिए सबसे अच्छा होता है।

नारियल का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। नारियल में कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं। यह कई तरह की समस्याओं और बीमारियो से बचाव करता है। नारियल खाने से शरीर को पोषण मिलता है। नारियल के प्रयोग सूखा (ड्राई) और ताजा (फ्रेश) दोनों तरह से किया जाता है। आइए जानते हैं ताजा और सूखा नारियल के बीच अंतर और उनके लाभों के बारे में विस्तार से बताते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, नारियल क्या है?

आयुर्वेद में ताजा नारियल को मधुर, शीतल, फैट्स, वातपित्त को कम करने वाला और कब्ज को दूर करने में कारगर बताया गया है। फ्रेश नारियल की तासीर ठंडी होती है और इसका प्रयोग ताजगी और शीतला के लिए किया जाता है। वहींस सूखें नारियल की तासीर गर्म होती है और इसका इस्तेमाल शरीर को गर्मी प्रदान करने के लिए होता है। ड्राई नारियल पाचन में मुश्किल होता है और कब्ज का कारण बन सकता है। सूखे नारियल में गुरु, स्निग्ध, बलकारक और रुचिकारक बताया है। इसका सेवन लोगों को शरीर की तासीर और मौसम के अनुसार करना चाहिए।

फ्रेश कोकोनट के फायदे

– ताजा नारियल स्किन को नमी देता है और उसे सॉफ्ट बनाता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा की जलन और सूजन को कम करने में मदद करता है।

– ताजा नारियल में फाइबर पाया जाता है जो पाचन की समस्या को बेहतर करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है।

– ताजे नारियल में कई पोषक तत्व पाए जाते है, जो शरीर को एनर्जी देता है। इसके साथ ही इम्यूनिटी को मजबूत करता है।

– नारियल में पाए जाने वाला हेल्दी फैट्स हार्ट को स्वस्थ रखने में मदद करता हैं और कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

ड्राई कोकोनट के फायदे

– सूखे नारियल में सबेस ज्यादा कैल्शियम और मैग्नीशियम सबसे ज्यादा होता है, जो हड्डियों को मजबूत रखता है।

– सूखा नारियल एनर्जी के लिए सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है क्योंकि यह थकान दूर करता है।

– सूखा नारियल स्किन को पोषण देता है और बालों को भी मजबूत करता है।

– ड्राई कोकोनट शरीर में इम्यूनिटी को मजबूत करने में सहायक होता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती है।

शादी से पहले पिता सिखाएं बेटी को ये बातें, ससुराल में कभी कमजोर नहीं पड़ेगी आपकी लाडली

पिता–पुत्री का संबंध बहुत ही खास और मजबूत होता है। शादी के बाद भी इस संबंध को बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है ताकि बेटी को कभी या महसूस ना हो कि वह ससुराल में आकर अकेली पड़ गई है। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं कि पिता–पुत्री का संबंध शादी के बाद भी कैसे मजबूत बना रहे और बेटी को विभिन्न परिस्थितियों में कैसे सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।

नियमित संचार बनाए रखें

फोन कॉल और वीडियो कॉलरू नियमित रूप से बेटी से बात करें। टेक्स्ट, कॉल या वीडियो कॉल के माध्यम से संपर्क में रहें।

साझा गतिविधियांः अगर संभव हो तो बेटी के साथ साझा गतिविधियां करें, जैसे किसी नई रेसिपी पर काम करना या साथ में किसी हॉबी का आनंद लेना।

समय बिताएंः

मिलने का समय निकालेंः शादी के बाद भी बेटी के साथ समय बिताने का प्रयास करें। परिवारिक समारोह या छुट्टियों में मिलने का प्लान बनाएं।

स्पेशल डे सेलिब्रेट करेंः बेटी के जन्मदिन, सालगिरह और अन्य खास अवसरों पर उसे याद दिलाएं कि आप उसके साथ हैं।

सहयोग और समझदारी

भावनात्मक सहयोगः बेटी के भावनात्मक और मानसिक समर्थन के लिए हमेशा उपलब्ध रहें।

सहायक रहेंः उसके जीवन में आने वाली चुनौतियों और समस्याओं में उसे सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करें।

स्वतंत्रता का सम्मान करें

स्वतंत्रताः बेटी की स्वतंत्रता और निर्णयों का सम्मान करें। उसे अपनी जिंदगी में अपनी पहचान बनाने का अवसर दें।

समझदारीः उसकी पसंद और जीवनशैली को समझें और उसमें हस्तक्षेप करने से बचें।

बेटी को सुरक्षा प्रदान करने के तरीके

सुरक्षा की जानकारी दें

सुरक्षा उपायः बेटी को सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दें, जैसे कि आपातकालीन संपर्क नंबर, सेल्फ–डिफेंस तकनीक आदि।

डिजिटल सुरक्षाः ऑनलाइन सुरक्षा के उपाय बताएं, जैसे कि सोशल मीडिया पर गोपनीयता सेटिंग्स, सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग, और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में सावध ाानी बरतना।

मनोबल बढ़ाएं

आत्मविश्वासः बेटी का आत्मविश्वास बढ़ाएं और उसे सिखाएं कि कैसे विभिन्न परिस्थितियों में स्वयं की रक्षा करें।

प्रोत्साहनः उसे हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करें और उसकी उपलब्धियों की सराहना करें।

कानूनी जानकारी

कानूनी अधिकारः बेटी को उसके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दें, विशेषकर घरेलू हिंसा और उत्पीड़न के मामलों में।

संपर्क जानकारीः स्थानीय पुलिस, महिला हेल्पलाइन, और अन्य सुरक्षा संगठनों के संपर्क नंबर उसके पास रखें।

बेटी के लिए महत्वपूर्ण सुझाव

स्वास्थ्य का ध्यान रखें

शारीरिक स्वास्थ्यः नियमित व्यायाम और संतुलित आहार का पालन करें।

मानसिक स्वास्थ्यः मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें और जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से संपर्क करें।

आर्थिक स्वतंत्रता

आर्थिक योजनाः अपने वित्तीय मामलों को समझें और आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने का प्रयास करें।

बजटिंगः खर्चों का बजट बनाएं और बचत की आदत डालें।

शिक्षा और करियर

शिक्षारू अपनी शिक्षा और करियर को प्राथमिकता दें।

नवीनतम कौशलः नई–नई कौशल सीखने का प्रयास करें जो आपके करियर में सहायक हो सकते हैं।

स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता

निर्णय लेने की क्षमताः अपने निर्णय स्वयं लें और अपने जीवन में आत्मनिर्भर बनें।

सुरक्षाः अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क रहें और आत्मरक्षा के तरीकों को सीखें।

पिता–पुत्री का संबंध एक विशेष बंधन है जिसे शादी के बाद भी बनाए रखना महत्वपूर्ण है। संचार, समर्थन, स्वतंत्रता का सम्मान और सुरक्षा के उपायों के माध्यम से इस संबंध को और भी मजबूत बनाया जा सकता है। बेटी को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सुरक्षित बनाने के लिए माता–पिता का सहयोग और मार्गदर्शन बहुत महत्वपूर्ण होता है।

गोरखपुर ईकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

. गोरखपुर । शहर समता विचार मंच गोरखपुर ईकाई की महिला काव्य गोष्ठी सरिता सिंह एवं उमा उपाध्याय के संयोजन मे चित्रा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि उमेश श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि रचना सक्सेना रही। यह काव्य गोष्ठी 4 बजे से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही चित्रा श्रीवास्तव

द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति उमा उपाध्याय द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन प्रेम लता रसबिंदु ने किया। इस काव्य गोष्ठी में समस्त प्रतिभागी साहित्य अनुरागिनियों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें । जिसमें सरिता सिंह –हिस्से में मिलती केवल सिसकी ,चित्रा श्रीवास्तव–कभी नहीं मिलता ढूढ़े से ,प्रीति मिश्रा पृशाश–पितु मातु पूजनीय, उमा उपाध्याय– ऐ मेरे यार जाना ,रेनू चतुर्वेदी–जिंदगी तेरी धूप छाँव ,प्रेमलता रसबिंदु–जब जब सावन आता है ,बृजकिशोरी त्रिपाठी–घिरि आई कारी बदरिया ,पूजा श्रीवास्तव –स्नेहिल आमंत्रण स्वीकारो, शशिकिरन–नहीं करती सियासत वो ,अमिता अग्रवाल–कोमल आँचल की छैंया ,सरिता त्रिपाठी–मैंने पूछा अंतर्मन से,प्रीति त्रिपाठी – सुहानी सी सुबह बस तूं ,पूनम त्रिपाठी–हाउस वाइफ बोल तो देते हैं , सुनैना गुप्ता –हरियाली ही हरियाली हो , शैलजा शतीश –लिखने लगूँ इतिहास तुम्हारा ,निशि सिंह–कैनवास के रंगों में काश पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन चित्रा श्रीवास्तव ने किया।

आमान्य विद्यालयों को कराया बन्द

छात्रों को नजदीक प्राथमिक' 'विद्यालय मे प्रवेश का दिया निर्देश' – 'प्रभाकर यादव बी ई ओ

प्रतापगढ़ मान्धाता! आज दिनांक 18ध्द2024 को खण्ड शिक्षा अधिकारी मान्धाता वि क्षे मान्धाता मे चल रहे विना मान्यता वाले

विद्यालयों के विरुद्ध अभियान चलाकर निरीक्षण किया तथा ग्राम सभा चघईपुर पुर मे आमान्य विद्यालय ए. एम. एजूकेशन सेन्टर तथा फतिमुज्जर मदरसा तथा शोभीपुर मे चल रहे अलसफा एकेडमी जो बिना किसी वैधानिक मान्यता के संचालित थे के विरुद्ध कार्रवाही करते हुए विद्यालय को तत्काल बन्द करा दिया कि यदि भविष्य मे विना मान्यता के विद्यालय संचालित किया गया तो नियमानुसार जुर्माना तथा प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी साथ ही उक्त विद्यालयों मे पढ़ रहे छात्रों का प्रवेश नजदीक प्राथमिक विद्यालयों मे करने का निर्देश प्राथमिक विद्यालय शोभीपुर और चघईपुर के प्रधानाध्यापक को दिया खण्ड शिक्षा अधिकारी के साथ ए आर पी राजेश प्रताप सिंह सत्यजीत सिंह और वीरेन्द्र कुमार रहे।

नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित

प्रयागराज।बुधवार बक्सी खुर्द दारागंज प्रयागराज मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के घुमंतू विभाग के प्रयाग उत्तर भाग के प्रमुख संजय जी के नेतृत्व मे घुमन्तू जाति के लोग तथा क्षेत्र में रहने वाले गरीबधनिर्धन लोगों के नेत्र परीक्षण हेतु नेत्र परीक्षण एवं चश्मा ध्औषधि वितरण शिविर लगाया गया सजिसमे नेत्र विशेषज्ञ

डा पिंकी कुशवाहा, डा गोपाल कुमार, डा विनोद त्रिपाठी अपने आप्टोमेटिक्स और स्टाफ के साथ 250 लोगो का नेत्र परीक्षण कर आवश्यक परामर्श तथा औषधि दिया साथ ही 50लोगो को चश्मा भी दिया गया सनेत्र परीक्षण शिविर मे लोग उत्साहित रहे और कार्यकर्ताओं से कहा कि आप लोग सदैव आमजन गरीब व्यक्तियों की निःस्वार्थ सेवा करते हैं आप सभी संघ के कार्यकर्ता ही सच्चे समाज सेवक और सच्चे राष्ट्रभक्त है। परिक्षण शिविर मे बृजेश नगर प्रचार प्रमुख कमलेश नगर कार्यवाह सहित दर्जनों संघ के कार्यकर्ता और समाज के लोगों ने समय दिया सउपरोक्त कार्यक्रम की राजेश प्रताप सह प्रचार प्रमुख प्रयाग उत्तर भाग ने दियास

सूर्य भगवान के अभिषेक के लिए151 तीर्थ स्थान का पवित्र जल भेजा गया

प्रयागराज। कुशीनगर के तुर्कपट्टी मे दिनांक 31 जुलाई 2024 को

सूर्य प्रकाट्य उत्सव बडे धूमधाम से मनाया जायेगा सईस उत्सव मे 151 तीर्थ स्थान के पवित्र जल से सुर्य भगवान का अभिषेक किया जायेगा जिसके लिये एपीएन न्यूज के प्रबन्धक संपादक विनय रायजी ने गंगा यमुना सरस्वती की पावन मिलन स्थली संगम के अन्तराष्ट्रीय मूछ नर्तक समाज सेवी गंगा सेवक राजेन्द्र कुमार तिवारी दुकानजी ने पुरे प्रयागराज के नागरिको गंगा भक्तो की ओर से संगम के अमृत जल को भरकर सूर्य अभिषेक के लिये तुर्क पट्टी कुशीनगर मे होने वाले अभिषेक के लिये विनय राय जी के हाथ भेजा।

राब्ता राब्ता फाउंडेशन ने 14 जुलाई को दिल्ली शहर में अपनी शाखा संग स्टूडियो की शुरूआत की

नई दिल्ली।सूरज राब्ता परिवार के आकाश को एक नई रंगत से भर गया। इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने के लिए इसके संस्थापक शिवम झा ने राब्ता के पूरे परिवार को आमंत्रित किया। इसके संरक्षक श्री विवेक कवीश्वर जी के अगुआई में सभी सदस्यों ने अपनी हाजिरी लगाई। एक और दिन राब्ता के नाम करते हुए सभी ने राब्ता के साथ अपनी यात्रा का वृतांत सबसे सांझा किया। उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित करके किया गया। आ० विवेक कवीश्वर, आ० भूदत्त शर्मा एवं आ० खुर्रम नूर साहब ने अपना राब्ता के साथ राब्ता होने की वजह, समय और सफर की बात रखी। उसके बाद हर सदस्यों ने अपने खट्टे मीठे अनुभव

को सांझा किया।

राब्ता फाउंडेशन के कोर सदस्य आ० नलिनी राज 'मौसम' और आ० अजय वर्मा 'साथी' ने कुछ मंच के पीछे के चहल– पहल, व्यस्तता और संघर्ष की बात की तो आ० संजीव निगम 'अनाम' और मीना कुंडलियां ने शिवम जी से जुड़े आत्मीय संबंध की बात की।

बाद में एक एक कर अर्चना झा 'हिना' जी, नित्यानंद झा 'नवीन' जी, राधा कौशिक जी, मीना कुण्डलिया जी, कुशल कौशिक जी, आशीष बादल जी, लीजा खघन जी, आशुतोष मिश्रा 'अजल' जी, अमित झा जी, नीरज झा जी, संदल वत्स जी, अनय सिंह जी, रघुवर आनंद जी, सुशांत चौधरी जी, केशव झा जी, स्वाति शर्मा जी, मीता बेहरा जी और गुरमीत सिंह 'मीत' जी ने राब्ता के जुड़े जज्बात को अपने शब्दों में व्यक्त किया।

सभी के जबान से निकले शब्दों में एक चीज जो खास तौर पे कही गई वह थी उनका शिवम जी से जुड़ाव और बहुत खघमोशी से बैकस्टेज में सारा मैनेजमेंट संभालने वाली इसकी स्तंभ रिंकी सोनी जी की। सभी का कहना था कि राब्ता एक संस्था नहीं परिवार है क्योंकि यहां सदस्यता नहीं भागीदारी दी जाती है। राब्ता के सलाहकार प्रमुख श्री आलोक अविरल जी संग सोनिया अक्स जी, कुमार राघव जी, उर्वी ऊदल जी निजी कारणों से कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाए लेकिन उनकी शुभकामनाएं राब्ता को हमेशा की तरह कल भी मिलती रही।

भारतीय ज्ञान परम्परा का विरोधी उपनिवेशवाद

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गड्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में "औपनिवेशिक विमर्श और भारतीय हिन्दू बच्चों की पीड़ा" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता हिन्दूपीडिया के संस्थापक एवं निदेशक श्री कृष्ण माहेश्वरी रहे। वर्तमान परिदृश्य में औपनिवेशिक हिन्दू बच्चों की विभिन्न समस्याओं एवं उनसे उत्पन्न चुनौतियों पर गोष्ठी में अत्यन्त सार्थक चर्चा हुई। अपने व्याख्यान में मुख्य अतिथि कृष्ण माहेश्वरी ने बताया कि सन्

2007 में हिन्दूपीडिया के आरम्भ के साथ ही औपनिवेशिक देशों में हिन्दू बच्चों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का आंकलन प्रारम्भ कर दिया गया था। अपने अध्ययन के आधार पर श्रीकृष्ण माहेश्वरी ने बताया कि किसी देश की ज्ञान परम्परा का नाश करना ही उपनिवेशवाद है। मूलतरू वर्ष 1807 में जेम्स मिल द्वारा लिखित पुस्तक "ब्रिटिश भारत का इतिहास" में हिन्दू परम्पराओं, देवी देवताओं को एक मिथक माना गया। जेम्स मिल ने अपनी पुस्तक में हिन्दू मान्यताओं, परम्पराओं इत्यादि की व्याख्या, जिनमें हिन्दू न्याय व्यवस्था, टैक्स इत्यादि सम्मिलित है, अपने पूर्वाग्रह के आधार पर ही की थी।

विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने बताया कि उपनिवेशवाद की समस्याएँ वैसी नहीं थी जैसी स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात हो गईं। जेम्स मिल ने वहाँ अपने चारों ओर जो कमियाँ देखी उन्हें यहाँ भारतीय परिप्रेक्ष्य में वर्णित किया । उनके अनुसार हमारे देश के विषय में पूर्व धारणाएँ बदलने की आवश्यकता है। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत परिसर के शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डा. मोनाली दास एवं संचालन डा. मनीष जुगरान ने किया । इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार मिश्र, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डा. रामरूप, डा. श्याम सुन्दर पाण्डेय, श्री राजेशकान्त तिवारी, सुश्री अश्विनी राजेश लंके, सुश्री शुभश्री दास, अज्जनी कुमार पुण्डरीक, श्री संजय मिश्र तथा परिसरीय अन्य कर्मचारी गण तथा शोधच्छात्र समुपस्थित रहे।

कवियों ने बहाई कविता की रसधार

एटा 18 जुलाई। साहित्यिक संस्था राष्ट्रीय तूलिका मंच एटा के सौजन्य से ग्रेटर नोएडा गौर सिटी के प्रिस्टीन एवेन्यू में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन की अध्यक्षता ख्यातिलब्ध कवयित्री डॉ0 रमासिंह ने की तथा अमेरिका से पधारीं साहित्यकार डॉ0 मधु चतुर्वेदी ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभाग किया। माँ वागेश्वरी के पूजनोपरांत अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ0 राकेश सक्सेना की सरस्वती वंदना से कवि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

सर्वप्रथम यशोदा हॉस्पीटल के सर्जन डॉ0 सुधीर त्यागी ने अपनी गजल में सुनाया–– हजारों आशिकों का रहनुमां हूँ। मैं गुजरे इश्क का इक मरहला हूँ। डॉ0 चेतन आनंद ने अनेक माहिया प्रस्तुत करते हुए गजल में कहा – बड़े अपशब्द सुनकर भी ऋचाओं की नदी चुप है।सभी अपमान सहकर आस्थाओं की नदी चुप

है। डॉ0अंजू गुप्ता,डॉ0 सुनीता सक्सेना, अमिता श्रीवास्तव ने नारी सशक्तिकरण पर केन्द्रित रचनाओं से श्रोताओ को मुग्ध किया। शोभा सचान, दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव, प्रदीप माथुर ने पावसपरक रचनाओं के साथ युगीन परिवेश की अभिव्यक्ति से वाहवाही अर्जित की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उस्ताद शायर मासूम गाजियाबादी ने सुनाया– कफन हाथ के हाथ में रह गए हैं,हकीकत की मैय्यत उठा दी गई है। लोकप्रिय गजलकार गोविन्द गुलशन ने पढ़ा– जब डूबकर न उबरे उम्मीद के सितारे। तस्वीर हो गए हम तस्वीर के सहारे। मुख्य अतिथि के आसन से डॉ0 मधु चतुर्वेदी ने तेरी आँखों की दूधिया शबनम, चाँदनी में बदल रही है कहीं सुनाकर मुग्ध किया। अध्यक्षीय उदबोधन के साथ ख्यातिलब्ध कवयित्री डॉ0 रमासिंह ने झील के उस पार से आवाज देता है कोई। जानें किस अधिकार से आवाज देता है कोई रचना सुनाकर श्रोताओ को भावविभोर कर दिया। इस आयोजन को सफल बनाने में सोसाइटी अध्यक्ष डॉ0 सुरेश कुमार सिंह, सचिव प्रदीप माथुर एडवोकेट,ईश्वर सिंह, आर0 के0श्रीवास्तव, राजीव शर्मा, इति माथुर, गुंजन सक्सेना, सीमा सिन्हा आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।कवि सम्मेलन का सफल संचालन पूर्व प्राचार्या डॉ0 सुनीता सक्सेना ने किया।

प्राइम डे से पहले, अमेजन ने अपने लोकल शॉप्स प्रोग्राम के तहत पेश किये नए फीचर

नए फीचर से विक्रेताओं की अमेजन प्लेटफॉर्म से जुड़ने की प्रक्रिया सरल होगी और ग्राहकों का अनुभव बेहतर होगा

लखनऊ, एजेंसी। अमेजन इंडिया ने लोकल शॉप्स प्रोग्राम में विक्रेताओं के जुड़ने की प्रक्रिया को सरल बनाने और अमेजन मोबाइल ऐप पर स्टोरफ्रंट आधारित दृष्टिकोण के साथ ग्राहकों के लिए खरीदारी के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए दो नए फीचर लॉन्च किए हैं। ये दो नए फीचर ठीक समय पर आए हैं, ताकि स्थानीय दुकानों के विक्रेताओं को भारत में अमेजन के 8वें प्राइम डे सेल समारोह के लिए तैयार होने में मदद मिल सके, जो 20 जुलाई और 21 जुलाई को आयोजित होने वाला है। हजारों स्थानीय दुकानों के विक्रेता आगामी प्राइम डे के लिए शानदार डील, क्यूरेटेड चयन और नए लॉन्च की पेशकश करने के लिए तैयार हो रहे हैं। अमेजन सेलर मोबाइल ऐप पर 1–क्लिक 'लोकल शॉप्स ऑन अमेजन' विक्रेता ऑनबोर्डिंग अनुभव एक महत्वपूर्ण कमी को दूर करता है, जिसका सामना विक्रेताओं को पहले करना पड़ता था यानी, इस लॉन्च से पहले, विक्रेताओं को प्रोग्राम में नामांकन के लिए अपने डेस्कटॉप पर सेलर सेंट्रल पर जाना पड़ता था। इस लॉन्च के साथ, उत्तर प्रदेश और पूरे भारत में नए विक्रेता अब बस एक क्लिक के जरिए मोबाइल ऐप के जरिए प्रोग्राम में शामिल हो सकते हैं, जिससे उनके शहर में 2–दिन की डिलीवरी संभव हो सकेगी। यह सुविधा उन विक्रेताओं के लिए भी उपलब्ध है, जिन्होंने पहले इस कार्यक्रम से बाहर निकलने का विकल्प चुना था और अब वे अपने शहर में ग्राहकों को अपने उत्पाद बेचना चाहते हैं। 1–क्लिक बटन अब ऐप पर हेल्प झ लोकल शॉप्स के अंतर्गत हमेशा उपलब्ध है, जिससे इसे ढूंढना आसान हो जाता है। दूसरे अपग्रेड से अमेजन.इन मोबाइल ऐप पर सेलर स्टोरफ्रंट बेहतर बना है। बेहतर सेलर स्टोरफ्रंट, अमेजन.इन पर सभी विक्रेताओं के लिए उपलब्ध है और उन्हें अपना स्थान (इलाका और शहर) दिखाने और सोशल शेयरेबिलिटी बटन के साथ फेसबुक, व्हाट्सऐप और इन्स्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर अपने स्टोरफ्रंट को साझा करने में मदद करता है, ताकि ज्यादा ट्रैफिक आए। ग्राहक अपनी पसंदीदा दुकानों को दोस्तों और परिवार के साथ भी साझा कर सकते हैं, जिससे उन्हें अमेजन पर अनोखी स्थानीय दुकानें खोजने में मदद मिलती है। स्टोरफ्रंट प्रत्येक ग्राहक के लिए सेलेक्शन को गतिशील रूप से क्यूरेट करता है, हर विक्रेता की पेशकश के आधार पर उत्पादों को रेकोमेंडेड, लेटेस्ट अरायवल और बेस्ट सेलर जैसी श्रेणियों में छांटता है। विक्रेता अपनी दुकान का नाम, इलाकाध्शहर भी कस्टमाइज कर सकते हैं और अमेजन .इन पर अपनी ऑफलाइन पहचान को दर्शाने के लिए व्यवसाय का लोगो जोड़ सकते हैं। स्टोरफ्रंट को उनके फिजिकल स्टोर में एक क्यूआर कोड प्रदर्शित कर ऑफलाइन एक्सेस किया जा सकता है, जो स्कैन किए जाने पर सीधे उनके ऑनलाइन पेज से जुड़ जाता है। ऑनलाइन चौनल की पेशकश यह सुनिश्चित करती है कि ग्राहक विक्रेता से खरीदारी जारी रख सकते हैं, भले ही भौतिक स्टोर अस्थायी रूप से अनुपलब्ध हो। अमेजन इंडिया में लोकल शॉप्स के प्रमुख, अभिषेक जैन ने कहा, "हम देश भर में लोकल शॉप्स ऑन अमेजन के कार्यक्रम के विस्तार से उत्साहित हैं। इस कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश के 48,000 ऑफलाइन स्टोर को शामिल किया है ताकि वे देश भर के ग्राहकों से जुड़ सकें। हम अपने विक्रेताओं को प्राइम डे के लिए तैयार कर रहे हैं और उत्तर प्रदेश तथा पूरे भारत में स्थानीय दुकानों के विक्रेताओं के लिए अपना 1–क्लिक लॉन्च फीचर पेश करने के लिए उत्साहित हैं। यह फीचर कई अड़चनों को समाप्त करता है, जिससे उनके लिए स्थानीय दुकानों के कार्यक्रम में शामिल होना बेहद सुविधाजनक हो जाता है।

संक्षिप्त

प्रयागराज के युवा कवि अमित कुमार शर्मा ने दूरदर्शन लखनऊ में चल रहे वंस मोर कार्यक्रम में प्रतिभा किया

प्रयागराज । दूरदर्शन लखनऊ में चल रहे वंस मोर

कार्यक्रम में प्रयागराज के युवा कवि अमित कुमार शर्मा जिला संयोजक राष्ट्रीय कवि संगम (भदोही) ने प्रतिभाग किया और अपनी रचना के माध्यम से समाज को प्रेरणा और नई दिशा देने का प्रयास किया है जिस के लिए कई विशिष्ट कवियों ने मार्गदर्शन और आशीर्वाद दिया।

एचडीएफसी बैंक ने उत्तर प्रदेश में 'मेगा ऑटोलोन मेला' की घोषणा की

लखनऊ, एजेंसी। भारत का अग्रणीनिजी क्षेत्र का बैंक, एचडीएफसी बैंक, 19 जुलाई, 2024 को एक्सप्रेस कार लोन को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश में 'मेगाऑटो लोन मेला' का अपना नया संस्करण शुरू करने जा रहा है।उत्तर प्रदेश भर में 500 से अधिक क्षेत्रीय शाखाएँ इस पहल मेंभाग लेंगी। एचडीएफसी बैंक का 'एक्सप्रेस कार लोन', एक अत्याधुनिकडिजिटल एपीआई प्लेटफॉर्म है जो कार लोन को मात्र 30 मिनटमें वितरित करने की प्रक्रिया को सक्षम बनाता है। एक्सप्रेस कारलोन भारत का एकल–सबसे बड़ा डिजिटल लोन प्लेटफॉर्म बनगया है, जो हजारों खुश ग्राहकों के साथ ऋण की शुरुआत औरवितरण करता है। एचडीएफसी बैंक ने इस पहल में अग्रणी ऑटोमोबाइलडीलरशिप के साथ भागीदारी की है। इस लोन मेले में कारडीलर नवीनतम ऑटोमोबाइल मॉडल प्रदर्शित करेंगे और ग्राहकोंको वाहनों की टेस्ट ड्राइव लेने की अनुमति देंगे। बैंक पात्रग्राहकों को सीमित कागजी कार्रवाई के साथ मौके पर ही ऋणस्वीकृत करेगा। मेगा ऑटो लोन मेलाश का उद्देश्य लक्षित क्षेत्रों में ऑटो ऋणों कीदृश्यता और पहुंच को बढ़ाना है। यह पहल कार खरीदने औरन्यूनतम दस्तावेज के साथ ऋण प्राप्त करने के ग्राहक अनुभव कोबढ़ाएगी। बैंक की इस पहल के शुभारंभ पर बोलते हुए, श्री मुस्कान सिंह, शाखा बैंकिंग प्रमुख – यूपी और उत्तराखंड, एचडीएफसी बैंक नेकहा, ष्इस पहल का उद्देश्य सहज बैंकिंग सेवाओं औरवित्तपोषण विकल्पों को निकटता में लाना है। मेगा ऑटो लोनमेला ग्राहकों के लिए एचडीएफसी बैंक के मजबूत ऑटो लोनविकल्पों के माध्यम से अपनी पसंद की कार के मालिक होने काएक अनूठा अवसर है। यह पहल ग्राहकों को उत्पाद के बारे मेंविस्तृत जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगी। मुझे यकीन है कियह उपभोक्ता केंद्रित पहल ग्राहक की कार स्वामित्व यात्रा मेंएक मूल्यवान कड़ी साबित होगी।

यूपी स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव से बाद से शुरू हुआ तबादलों का सिलसिला लगातार जारी है। यूपी सरकार ने पी, पै और यूपी पुलिस के तबादलों के बाद अब स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए 7 सीएमओ का ट्रांसफर किया है। इनमें से डॉ अखिलेश मोहन को सीएमओ गाजियाबाद बनाया गया है। वहीं, डॉ प्रवीण कुमार सहारनपुर के नए सीएमओ बने है। इन जिलों के ब्ड हटाए बता दें कि गाजियाबाद, प्रतापगढ़, कौशांबी, आजमगढ़, बागपत, महराजगंज और सहारनपुर के सीएमओ हटाए गए है। डॉ अखिलेश मोहन सीएमओ गाजियाबाद बनाए गए, डॉ अच्युत मोहन सीएमओ प्रतापगढ़ बनाए गए, डॉ संजय कुमार सीएमओ कौशांबी बनाए गए, डॉ तीरथ लाल सीएमओ बागपत बनाए गए, डॉ अशोक कुमार सीएमओ आजमगढ़ बनाए गए, डॉ अशोक कटारिया सीएमओ मेरठ बनाए गए है।

20 जुलाई को मनाया जाएगा पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ अभियान, सीएम योगी करेंगे वृक्षारोपण का शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर उत्तर प्रदेश में 20 जुलाई को'पेड़ लगाओ–पेड़ बचाओ जन अभियान–2024श महापर्व के रूप में मनाया जाएगा। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सरकार ने इस वर्ष 36.46 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य दिया था, जिसके सापेक्ष वन विभाग ने 36.50 करोड़ पौधरोपण व उनके संरक्षण की तैयारी की है। प्रदेश के हरित क्षेत्र को नौ से बढ़ाकर 2026–27 तक 15 फीसदी तक ले जाना है। इसके लिए जनसहयोग भी जरूरी है। वहीं, प्रदेशव्यापी अभियान में सभी विभागों व मंडलों के लिए भी लक्ष्य निर्धारण किया गया है। योगी सरकार का यह भी निर्देश है कि हर किसी को उच्च गुणवत्ता के पौधे सुलभता से मिल सके, इसके लिए भी विधिवत तैयारी हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के अकबरनगर क्षेत्र में वृक्षारोपण का शुभारंभ करेंगे। सीएम योगी करेंगे शुभारंभ 'पेड़ लगाओ–पेड़ बचाओ जन अभियान–2024श के तहत वृक्षारोपण का शुभारंभ सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे। वह लखनऊ के अकबरनगर क्षेत्र में इसका शुभारंभ करेंगे। इस अभियान को सफल बनाने के लिए सीएम योगी ने अपील भी की थी। उन्होंने कहा, श्एक पेड़ मां के नामश अभियान के तहत उत्तर प्रदेश को इस वर्ष 36.46 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य मिला है और सभी विभाग आपसी समन्वय से इस लक्ष्य को हर हाल में आगामी 20 जुलाई को पूरा करें। अभियान को लेकर वन मंत्री डॉ अरुण सक्सेना ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वन विभाग से निःशुल्क पौधे उपलब्ध होंगे। पौधारोपण के लिए विभाग ने की तैयारी योगी सरकार सभी के सहयोग से इस लक्ष्य को प्राप्त करेगी। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के साथ ही सकुशल पौधारोपण को लेकर विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन की ओर से 14.29 करोड़, ग्राम्य विकास विभाग को 13 करोड़, कृषि को 2.80 करोड़, उद्यान विभाग 1.55 करोड़, पंचायती राज को 1.27 करोड़, राजस्व को 1.05 करोड़, नगर विकास को 44.97 लाख, उच्च शिक्षा को 22.54 लाख, रेशम को 14.19 लाख, लोक निर्माण को 14.93 लाख, रेलवे को 12.66 लाख व जलशक्ति को 13.41 लाख, बेसिक शिक्षा को 15.43 लाख, स्वास्थ्य विभाग को 19.91 लाख, उद्योग (एमएसएमई) को 15.55 लाख, औद्योगिक विकास विभाग को 7.73 लाख, माध्यमिक शिक्षा विभाग को 11.63 लाख, गृह को 10 लाख, पशुपालन को 7.26 लाख, ऊर्जा को 5.60 लाख, सहकारिता को 7.60 लाख, आवास विकास को 8.38 लाख, रक्षा को 4.95 लाख, प्राविधिक शिक्षा को 8.06 लाख, श्रम को 2.69 लाख, परिवहन विभाग को 2.53 लाख से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य दिया गया है। 18 मंडलों में भी लगाए जाएंगे पौधे अभियान के

संक्षिप्त

दक्षिण–पश्चिमी चीन के एक शॉपिंग मॉल में आग लगने से आठ लोगों की मौत

दक्षिण–पश्चिमी चीनी शहर जिगोंग में बुधवार को एक शॉपिंग मॉल में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शाम छह बजे के कुछ देर बाद 14

मंजिला वाणिज्यिक इमारत में आग लगने की सूचना मिलने पर अग्निशमन और बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर 75 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। उसने बताया कि इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। एजेंसी ने बताया कि बचाव कार्य जारी है और अभी यह पता नहीं चल पाया है कि इमारत में कितने लोग थे, आग कब लगी या आग लगने का कारण क्या था। इमारत में एक डिपार्टमेंटल स्टोर, कार्यालय, रेस्तरां और एक फिल्म थियेटर है।

अमेरिका राष्ट्रपति 2024 कैंपेन के बीच अब कोविड पॉजिटिव पाए गए बाइडेन, क्या ट्रंप के फेवर में जा रहा है पूरा चुनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन लास वेगास के दौरे के दौरान कोविड–19 से संक्रमित पाए गए हैं। जारी बयान में कहा गया है कि 81 वर्षीय बाइडेन हल्के लक्षणों का अनुभव करने के बाद खुद को क्वारंटाइन कर रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन–पियरे ने एक बयान में कहा कि आज लास वेगास में अपने पहले कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति बाइडन के कोविड–19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उन्हें कोविड–19 रोधी टीका लगा हुआ है और उन्होंने बूस्टर डोज भी ले रखी है। उनमें हल्के लक्षण नजर आ रहे हैं। बाइडन डेलावेयर लौटेंगे, जहां वह एकांतवास में रहेंगे। हालांकि, इस दौरान वह अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

लास वेगास में था कार्यक्रम

प्रेस सचिव ने कहा कि व्हाइट हाउस राष्ट्रपति की स्थिति के बारे में नियमित जानकारी उपलब्ध कराता रहेगा। बाइडेन क्वारंटाइन रहते हुए भी अपने कार्यालय के दायित्वों का निर्वहन जारी रखेंगे। राष्ट्रपति का 17 जुलाई दोपहर लास वेगास में यूनीडोस कार्यक्रम में अभिभाषण था। व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडेन में हल्के लक्षण हैं। उनकी श्वसन दर 16, शरीर का तापमान 97.8 डिग्री फारेनहाइट और पल्स ऑक्सीमेट्री 97 प्रतिशत है, जिसे सामान्य माना जाता है। राष्ट्रपति को पैक्सलोविड की पहली खुराक दे दी गई है। वो रेहोबोथ में अपने आवास पर एकांतवास में रहेंगे।

बाइडेन के कैंपेन में आएगा बदलाव

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिबेट में फ्लॉप शो के बाद जो बाइडेन पर साथी डेमोक्रेट्स की ओर से

राष्ट्रपति पद की रेस से हटने का दबाव है। हालाँकि, उन्होंने ऐसी किसी भी संभवान से इनकार किया है और खुद को इस रेस में बरकरार रखने की बात प्रमुखता से कही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ वन टू वन मुकाबले में पिछड़ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ लगातार बाइडेन पर बढ़त बनाए हुए ट्रंप खुद पर जानलेवा हमले के बाद भी मजबूती से मैदान में डटे हुए हैं। बता दें कि बाइडेन के कोविड पॉजिटिव पाए जाने से पहले ही कैलिफोर्निया के प्रतिनिधि और सबसे हाई–प्रोफाइल डेमोक्रेट्स में से एक एडम शिफ ने उन्हें से राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर होने का आग्रह किया था। उन्होंने लॉस एंजिल्स टाइम्स को बताया कि उन्हें इस बात को लेकर संशय है कि क्या बाइडेन ट्रम्प को हरा सकते हैं।

क्या पीछे हटेंगे बाइडेन

एडम शिफ ने एक बयान में कहा कि हालांकि अभियान से हटने का विकल्प केवल राष्ट्रपति बाइडेन के पास है। मेरा मानना घ्घ्घ्है कि यह उनके लिए एक मिशाल कायम करने का वक्त है। उन्होंने कहा कि बाइडेन के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने से उनकी नेतृत्व की विरासत सुरक्षित रहेगी और डेमोक्रेट्स को डोनाल्ड ट्रम्प को हराने में मददगार साबित होगी। पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी के करीबी होने के कारण एडम शिफ के बयान पर नजर रहेगी। एबीसी न्यूज ने सप्ताहांत में सीनेट के बहुमत नेता चक शूमर के साथ उनके डेलावेयर बीच हाउस में बाइडेन की निजी बैठक के बारे में नई जानकारी दी। कि सीनेटर ने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा कि अगर वह हट जाते हैं तो यह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए और देश के लिए बेहतर होगा।

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर हो गया ऐसा बवाल, भारत को जारी करनी पड़ी एडवाइजरी

भारत ने गुरुवार को बांग्लादेश में अपने नागरिकों और छात्रों को एक सलाह जारी की है। एडवाइजरी में उनसे अपने रहने वाले परिसर के बाहर आवाजाही को प्रतिबंधित करने का आग्रह किया गया। यह सलाह देश के कुछ हिस्सों में चल रही कोटा हिंसा के मद्देनजर आई है। भारत ने कुछ 24 घंटे के आपातकालीन नंबर भी जारी किए। बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, बांग्लादेश में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों और भारतीय छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे यात्रा से बचें और अपने रहने वाले परिसर से बाहर कम से

कम आवाजाही करें। किसी भी तात्कालिकता या सहायता की आवश्यकता के मामले में कृपया उच्चायोग और हमारे सहायक उच्चायोगों से संपर्क करें। सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली में सुधार की मांग कर रहे छात्र प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को सुरक्षा बलों की कार्रवाई के जवाब में गुरुवार (आज) को पूर्ण राष्ट्रव्यापी बंद लागू करने की योजना की घोषणा की। झड़पों में देश भर में चार छात्रों सहित कम से कम छह लोग मारे गए। आंदोलन के एक प्रमुख समन्वयक, आसिफ महमूद ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, अस्पतालों और आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सभी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे, और केवल एम्बुलेंस सेवाओं को संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। रिपोर्टों के अनुसार, मृतकों में से कम से कम तीन छात्र थे, जबकि मंगलवार को हिंसा में लगभग 400 अन्य घायल हो गए, क्योंकि कोटा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में फैल गया, एक सप्ताह के सड़क प्रदर्शन के बाद इसने हिंसक रूप ले लिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति की रेस से खुद ही हटने वाले हैं बाइडेन? क्यों कहा– एक बार फिर से विचार करूंगा

अमेरिका के राष्ट्रपति कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। व्हाइट हाउस का प्रेस सचिव कैरिन जीन–पियरे ने इस बात की जानकारी दी है। लास वेगास में अपने पहले कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति बाइडन का कोरोना टेस्ट कराया गया था। जिसमें बाइडेन कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। अभी उनको थकान और खांसी की शिकायत है। ये कोरोना के हल्के लक्ष्ण माने जाते हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिबेट में फ्लॉप शो के बाद जो बाइडेन पर साथी डेमोक्रेट्स की ओर से राष्ट्रपति पद की रेस से हटने का दबाव है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ वन टू वन मुकाबले में पिछड़ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ

लगातार बाइडेन पर बढ़त बनाए हुए ट्रंप खुद पर जानलेवा हमले के बाद भी मजबूती से मैदान में डटे हुए हैं। इसी बीच बाइडेन की तरफ से राष्ट्रपति उम्मीदवारी से हटने को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। बीईटी न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में जो बाइडेन से पूछा गया कि ऐसा क्या है जिससे उन्हें 2024 के चुनाव अभियान पर पुनर्विचार करने की जरूरत पड़ सकती है? इसके जवाब में राष्ट्रपति और डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा कि अगर मेरी मेडीकल कंडीशन ठीक नहीं रहती है। डॉक्टर मेरी सेहत संबंधित समस्या का उल्लेख करते हैं। हालांकि किस समस्या की ओर बाइडेन इशारा कर रहे थे ये साफ नहीं किया। उन्होंने कहा कि अगर स्वास्थ्य संबंधित दिक्कतें आती हैं तो मैं चुनाव से पीछे हटने को लेकर पुनर्विचार कर सकता हूं। इसके साथ ही बाइडेन ने ये भी साफ किया कि वो सेकेंड टर्म और 4 साल का कार्यकाल को पूरा करने के लिए बिल्कुल फिट हैं। बाइडेन ने जोर देकर कहा कि वो ट्रंप को हराने के लिए सबसे योग्य उम्मीदवार हैं।

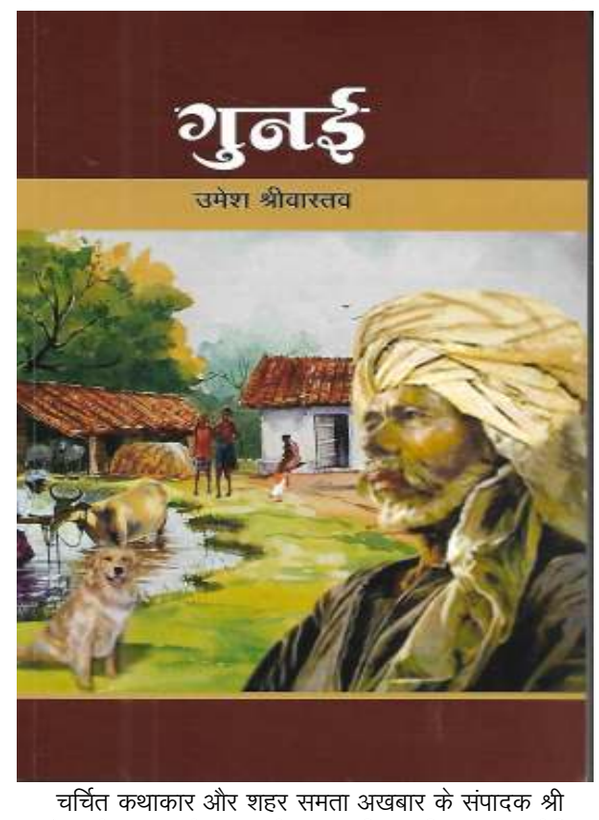

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर. के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

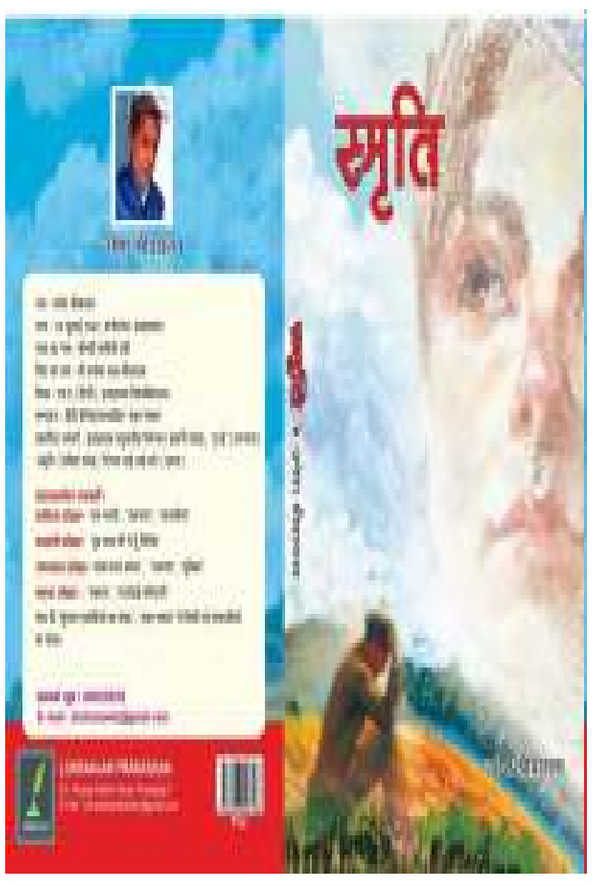

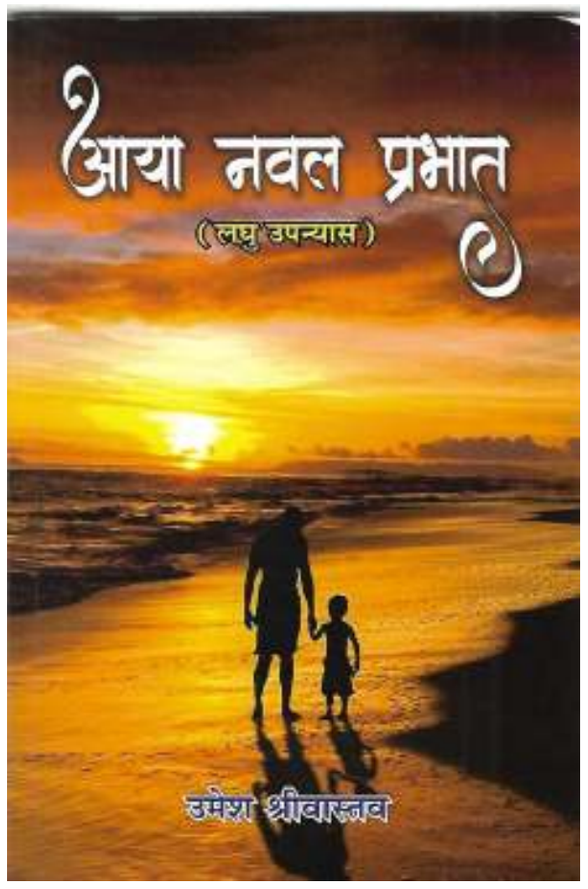

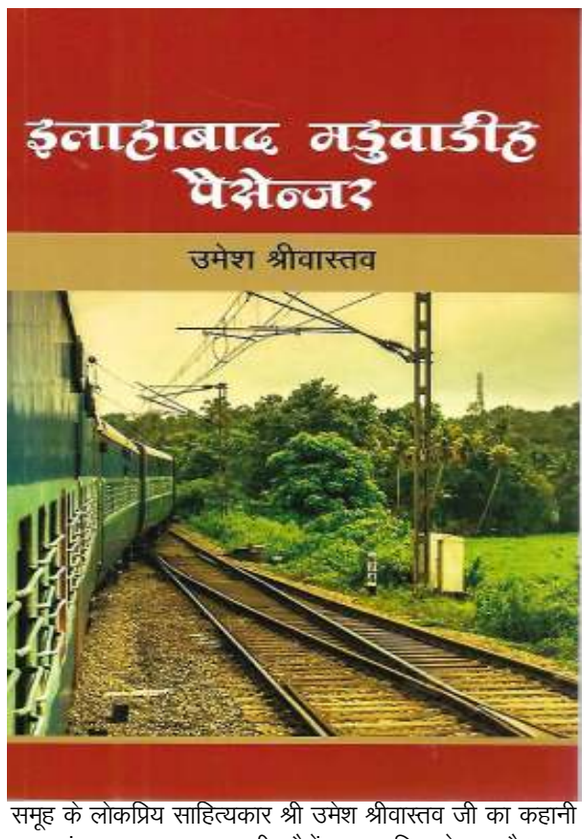

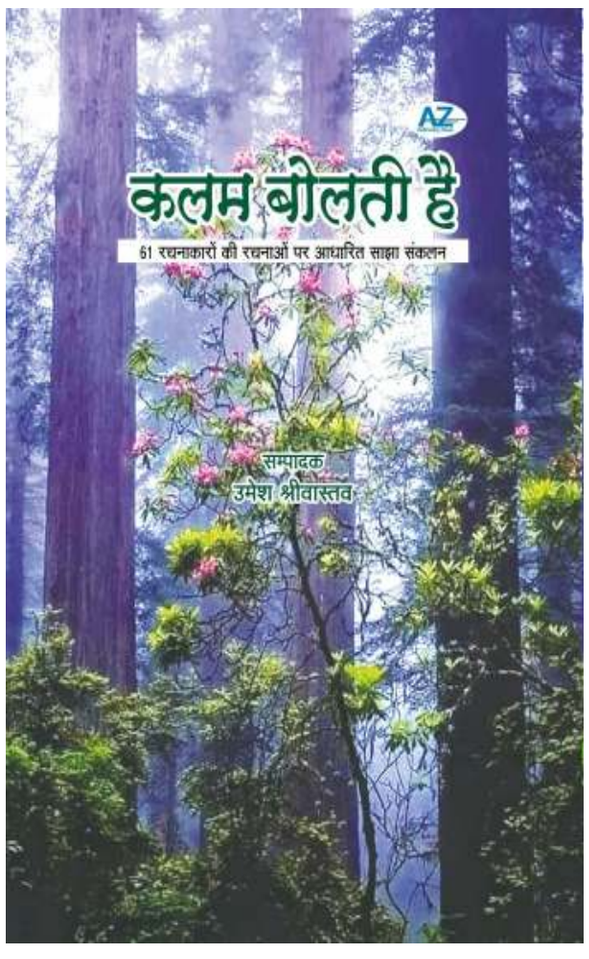

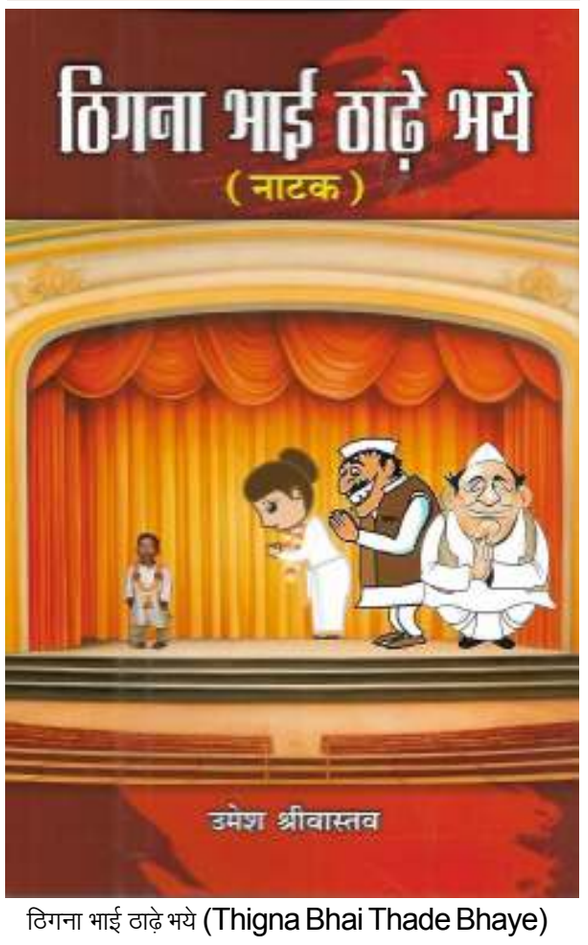

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

नासा ने लागत में वृद्धि और देरी के कारण चंद्रमा पर लैंडर भेजने का मिशन रद्द किया

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा कि वह लागत में वृद्धि और प्रक्षेपण में देरी होने के कारण, पानी की खोज के लिए चंद्रमा पर रोवर भेजने के मिशन को रद्द कर रहा है। अंतरिक्ष एजेंसी ने बुधवार को कहा कि 'वाइपर' रोवर को 'एस्ट्रोबोटिक टेक्नोलॉजी' द्वारा उपलब्ध कराए गए एक लैंडर के जरिये 2023 के अंत तक प्रक्षेपित किया जाना था लेकिन अतिरिक्त परीक्षण और लागत बढ़ने के कारण इस मिशन में देरी होती रही जिससे अन्य परियोजनाओं पर खतरा मंडराने लगा है। नासा ने बताया कि रोवर का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर खोजबीन करना था। इसके विकास पर अभी तक करीब 45 करोड़ डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। अपोलो 11 मिशन की 55वीं वर्षगांठ से कुछ दिन पहले यह घोषणा की गयी है। अपोलो 11 नील आर्मस्ट्रांग और बज आल्ड्रिन को लेकर 20 जुलाई 1969 को चंद्रमा पर पहुंचा था। नासा ने बताया कि उसकी योजना अन्य परियोजनाओं के जरिए चंद्रमा पर बर्फ की मौजूदगी का अध्ययन करना है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।